

मनेन्द्रगढ़

18 अक्टूबर 2026 रविवार

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सुप्रीम कोर्ट बोला:

इंटरनेट इस्तेमाल करना बच्चों का अधिकार

● उन्हें इससे दूर नहीं कर सकते ● यौन शोषण वाले कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बनाने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इंटरनेट इस्तेमाल करना हर व्यक्ति, यहां तक कि हर उम्र के बच्चे का मौलिक अधिकार है। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखना बेतुका होगा। बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं। बच्चों को दोनों का अधिकार है।

कोर्ट ने कहा- इंटरनेट पर गलत कंटेंट होने के कारण उन पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। ऐसी पाबंदियों से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं। साथ ही, ऑनलाइन धमकी या शोषण का सामना करने वाले बच्चे शिकायत करने से भी डर सकते हैं।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को इंटरनेट से हटाने की व्यवस्था मजबूत



करने से जुड़े मामलों में ये टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने केंद्र सरकार को ऐसे कंटेंट का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने और सोशल मीडिया कंपनियों को दो घंटे के भीतर पुलिस को रिपोर्ट देने समेत कई निर्देश दिए हैं। हर शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर उसकी प्राप्ति की जानकारी और रफरेंस नंबर देना होगा। शिकायत की समीक्षा, समय-समय पर स्वतंत्र ऑडिट होगा और गलत तरीके से दर्ज सामग्री को हटाने के लिए शिकायत निवारण की व्यवस्था बनाई जाएगी।

इस डेटाबेस से सोशल मीडिया कंपनियां अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद सामग्री का मिलान कर सकेंगी। इससे किसी एक प्लेटफॉर्म से हटाई गई सामग्री दूसरे प्लेटफॉर्म पर दोबारा अपलोड होने पर भी पहचानी जा सकेगी।

डेटाबेस में लिफ्ट कंटेंट की डिजिटल पहचान और लिंक होंगे... सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बच्चों के यौन शोषण से जुड़े प्रमाणित कंटेंट का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है। इसे मौजूदा सहयोग पोर्टल पर या अलग से तैयार किया जा सकता है।

- हैश और क्रद्वर्ज होंगे: डेटाबेस में तस्वीर या वीडियो की डिजिटल पहचान यानी हैश और उस वेबसाइट का लिंक रखा जाएगा, जहां सामग्री मौजूद है।
- असली तस्वीरें-वीडियो नहीं रखे जाएंगे: डेटाबेस में आपत्तिजनक सामग्री के बजाय उसकी डिजिटल पहचान और लिंक दर्ज होंगे।
- तीन विशेषज्ञ करेंगे जांच: हर एंट्री की कई स्तरों पर जांच होगी। कम से कम तीन प्रशिक्षित विशेषज्ञ स्वतंत्र रूप से तय करेंगे कि सामग्री बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी है या नहीं।
- गलत एंट्री हटाने की व्यवस्था: जांच का रिकॉर्ड रखा जाएगा, समय-समय पर स्वतंत्र ऑडिट होगा और गलत तरीके से दर्ज सामग्री को हटाने के लिए शिकायत निवारण की व्यवस्था बनाई जाएगी।

कंटेंट हटाने पर पुलिस को कब देनी होगी रिपोर्ट? कोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट की जानकारी भारतीय कानून के तहत संबंधित पुलिस इकाई, विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) या साइबर क्राइम पोर्टल को देने का निर्देश दिया है।

- अपनी जांच में कंटेंट मिलने पर: कंपनी अज्ञात स्रोत का ऐसा कंटेंट अपनी जांच में हटाती है, तो उसे दो घंटे के भीतर रिपोर्ट करनी होगी।
- शिकायत के बाद कंटेंट हटाने पर: शिकायत का निपटारा होने के बाद जल्द से जल्द और अधिकतम दो घंटे के भीतर रिपोर्ट देनी होगी।
- डेटाबेस से मिलान होने पर: राष्ट्रीय डेटाबेस में दर्ज सामग्री से मिलान के कारण हटाए गए कंटेंट की जानकारी संबंधित प्राधिकरण को हर सप्ताह एक साथ देनी होगी।

शिकायत पर 24 घंटे में कंटेंट नंबर देना होगा... सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी वेबसाइट और ऐप पर शिकायत अधिकारी की जानकारी साफ-साफ दिखाने का निर्देश दिया है। बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामलों के लिए अलग शिकायत विकल्प होना चाहिए।

कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए

केरन सेक्टर में सुरक्षाबलों का सर्च जारी

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, इसमें दो आतंकी मारे गए हैं। केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभी यह तय नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन अभी जारी है। तलाशी अभियान पूरा होने के बाद घटना से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।



सुबह करीब 3:30 बजे शुरू हुई मुठभेड़... एक सीनियर डिफेंस अधिकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे जुमागुंड इलाके में LoC के पास सुरक्षाबलों ने सदिग्ध गतिविधि देखी। जवानों ने सदिग्धों को चुनौती दी और उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी

माता गौरी

नवरात्री अठरा दिन

॥सुखी नमः॥

क्षेत्रे शुभे समस्तदा, देवतामयरा भुविः।
महागौरी शुभं ददातु, महादेवकीर्तनदातु।
या देवी सर्वकृपुं मां गौरी त्वेन संविधा।
नमस्तस्मै नमस्तस्मै नमस्तस्मै नमो नमः॥

(क्षेत्रे शुभे पर विराजमान, क्षेत्र वसो वाली, महादेव की प्रशस्तता के लिए सदैव ध्यानरत मां गौरी को नमः)

योग : मां गौरी को नमस्कार का योग लगाया जाता है, यह माता विराजती की विशेषताएं पूरी करती है।

: ब्रीफ बॉक्स :

स्टारलिन बोली-हम 5 सालों से भारत में काम कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिनक ने कहा है कि वह भारत में हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान शेयर करते हुए बताया कि वह पिछले 5 सालों से भारतीय रेगुलेटर्स, इंडस्ट्री और ऑपरेटर्स के साथ मिलकर काम कर रही है। इससे पहले इलॉन मस्क ने भारत में लाइसेंस मिलने में हो रही देरी को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर सीधा हमला बोला था। मस्क की बयानबाजी के बाद रिलायंस ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं

बंगलूरू, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कानून को पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है।

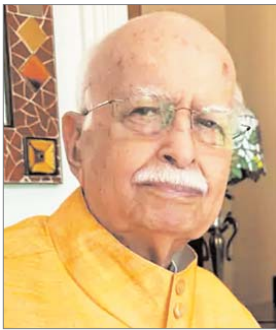
सीजेआई बंगलूरू में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के 34वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

लालकृष्ण आडवाणी को सीने में इन्फेक्शन, अपोलो अस्पताल में भर्ती

● आईसीयू में रखा गया, जेपी नड्डा मिलने पहुंचे ● ढाई साल में 6 बार भर्ती हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को शुक्रवार देर शाम सीने में इन्फेक्शन के चलते दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है।

अस्पताल के मुताबिक, उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है, जहां न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर विनीत



सूरी की देखरेख में उनका इलाज

चल रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और वे लगातार डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा नेता जे.पी. नड्डा ने अस्पताल पहुंचकर लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे अस्पताल लाया गया। उन्हें फेफड़ों के विभाज में

भर्ती किया गया है और डॉक्टरों की एक टीम उनकी देखरेख कर रही है। लालकृष्ण आडवाणी 98 साल के हैं और दिल्ली में लुटियंस जॉन के 30, पृथ्वीराज रोड स्थित अपने सरकारी बंगले में रहते हैं। उनकी पत्नी कमला आडवाणी का निधन साल 2016 में हो गया था, जिसके बाद से उनकी देखरेख का पूरा जिम्मा उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी संभालती हैं।

उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से कड़ाके की ठंड

● राजस्थान में तापमान 6डिग्री गिरा ● लखनऊ में बाद से 3 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल में बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है।

वहीं, प्रदेश में शनिवार सुबह का तापमान 9°C दर्ज किया गया, जबकि दो दिन पहले तक यह 17.7एच था। राजस्थान में बारिश ने सुबह-शाम सड़ी बढ़ा दी है। मौसम



बदलने से अधिकतम तापमान 6 डिग्री तक गिर गया है। सबसे कम तापमान अलवर में 27 डिग्री रहा, जबकि माउंट आबू में पारा 27.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी



है। लखनऊ में बाद से हालात बिगड़े हुए हैं। फैजुल्लागंज इलाके की 3 लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है। गोमती का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन घरों में 21वें दिन भी पानी भरा है।

लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी दीक्षांत समारोह

योगी बोले- 2017 से पहले था रूल ऑफ माफिया हमने लागू किया 'रूल ऑफ लॉ'

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश 'रूल ऑफ माफिया' से मुक्त हुआ है और 'रूल ऑफ लॉ' लागू हुआ है। वर्ष 2017 से पहले कानून-व्यवस्था और निवेश को लेकर सदेह रहता था। माफिया से विकास बाधित था। सरकार ने कानून का शासन स्थापित कर प्रदेश की छवि बदली है। कोई व्यक्ति या पद संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने युवा अधिकताओं से कहा कि अन्याय सामने हो तो चुप रहना विकल्प नहीं है। फैसला इतिहास सुनाएगा, लेकिन बहस आपको करनी है।

आपातकाल ने समझाया कानून और शासक के शासन का अंतर... मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के साथ 25 जून 1975 भी लोकतंत्र की महत्वपूर्ण तारीख है। आपातकाल ने 'रूल ऑफ लॉ' और 'रूलर ऑफ लॉ' का अंतर समझाया। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना की असहमति का उल्लेख करते हुए कहा कि सिद्धांतों के पक्ष में लिया निर्णय इतिहास में स्थान बनाता है। युवा अधिकताओं को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए।



मुख्यमंत्री योगी शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मां

सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने मेधावियों को पदक दिए।



नागपुर, एजेंसी। आरएसएस के महिला संगठन, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन भारत में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं और देश की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा- दिमागी नक्सलवाद जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य इकोसिस्टम है। यह जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा है। युवाओं और महिलाओं के मन में भी अशांति पैदा कर रहा है। उन्हें भड़का रहा है।

आरएसएस महिला संगठन प्रमुख बोलीं- जंतर-मंतर प्रदर्शन अराजकता फैला रहे

● जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा दिमागी नक्सलवाद ● अपने फायदे के लिए युवाओं-महिलाओं को भड़का रहे



शांताकुमारी ने ये बातें 16 अक्टूबर को नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव और शस्त्रपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों को असंवैधानिक

शांताकुमारी बोलीं- देश की संस्कृति नष्ट करना चाहते हैं प्रदर्शनकारी... शांताकुमारी ने कहा- हमने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन देखे हैं। हम इन्हें असंवैधानिक प्रदर्शन कह सकते हैं। देश अराजकता का सामना कर रहा है।

बताया। राष्ट्र सेविका समिति आरएसएस का महिला संगठन है। इसकी प्रमुख संचालिका वी. शांताकुमारी को शांताक्का के नाम से भी जाना जाता है।

ट्रम्प ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने वाला कानून रोका:

बोले- हमें फायदा, रूस से कर चुका डीजल खरीद डील; अमेरिका को 6 फायदे हो सकते हैं

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है।

इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे। प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद



रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा

जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

ट्रम्प को 30 दिन के अंदर फैसला लेना था: ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। कानून पर साइन करने के बाद ट्रम्प को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के अंदर करना था। हालांकि, ट्रम्प ने इससे पहले ही

प्रतिबंधों और टैरिफ पर हट दे दी।

भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100% तक टैरिफ लगाने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत तेल की उपलब्धता और दुनिया के हालात को देखकर अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का फैसला करता है।

भारत पहले भी अमेरिकी अधिकारियों के

भारत के तेल आयात में रूस का 45% हिस्सा... भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45% थी।

सामने यह मुद्दा उठ चुका है। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर असर के बीच रूस से तेल की सप्लाई कम करना दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध मौत, दंपती और तीन बच्चों की गई जान, जांच शुरू



नोएडा, एजेंसी। यूपी के ग्रेटर नोएडा में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है. रबपुरा थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. घटना की जानकारी होने पर मौके पर पुलिस विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और फूड विभाग की टीम को भी बुलाया गया.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं, शुरुआती जांच में पुलिस का कहना है कि पूछताछ में सामने आया है कि फूड पॉइजनिंग के चलते पांच लोगों की मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी. वहीं घटना के बाद से ही पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ है. ग्रेटर नोएडा के डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि, आज शनिवार को प्रातः थाना रबपुरा पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम नगला पदम निवासी एक ही परिवार के 5 सदस्यों महेश पुत्र कृष्ण निवासी नाला पदम, उम्र 37 वर्ष, ललिता पत्नी महेश उम्र 35 वर्ष, पुत्र उम्र 11 वर्ष, पुत्री महेश उम्र 7 वर्ष, और पुत्र उम्र 3 वर्ष की मृत्यु हो गई है. सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस बल, उच्चाधिकारिगण, एम्बुलेंस एवं फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंचे. फील्ड यूनिट, फोरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं. मृतकों के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है. डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौत में शुरुआती जां में मामला 'फूड पॉइजनिंग' का पाया जा रहा है. आसपास के लोगों तथा मुयक महेश की माता द्वारा बताया गया कि परिवार के सदस्यों ने रात्रि में नूडल्स का सेवन किया था. मृत्यु के वास्तविक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य वैज्ञानिक जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

नोएडा में एनकाउंटर फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने मारी गोली

नोएडा , एजेंसी। नोएडा सेक्टर 20 थाना पुलिस और बदमाशों के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। डीएलएफ तिराहे के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन वे रुकने के बजाय बाइक की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगे।

आरोपियों के पास क्या-क्या मिला: पुलिस टीम ने पीछा किया तो सेक्टर 18 मल्टीलेवल पार्किंग, के सामने झाड़ियों के पास बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरे को कार्बिंग अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, नकदी, मोबाइल फोन और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया है। नोएडा अपर पुलिस उपायुक्त अभय कुमार मिश्र ने आज जानकारी देते हुए बताया कि,देर रात सेक्टर 20 थाना की टीम डीएलएफ तिराहे के पास नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, लेकिन उन्होंने आदेश की अनदेखी करते हुए भागने का प्रयास किया। सदैह होने पर पुलिस टीम ने उनका पीछा शुरू कर दिया। दोनों सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के सामने झाड़ियों के पास पहुंचते तो उन्होंने जान से मारने की नीयत से टीम पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया। गोली लगने से घायल बदमाश की पहचान सलमान उर्फ राजा उर्फ मामा (34) निवासी समसु कॉलोनी, करूबा इंचौली, मेरठ के रूप में हुई है। उसके कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और 12,400 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

दिल्ली सीबीआई मुख्यालय पहुंचे अंकिता भंडारी के माता-पिता, अधिकारियों से मुलाकात कर रखी मांग

देहरादून/दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड की दिवंगत अंकिता भंडारी के माता-पिता ने सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने निष्पक्ष और गहराई तक मामले की जांच करने की मांग की. जिस पर सीबीआई अधिकारियों ने प्रकरण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं के बारे में जानकारी दी. साथ ही निष्पक्ष एवं न्यायसंगत ढंग से प्रकरण की विवेचना करने का आश्वासन दिया. सीबीआई अधिकारियों से मिले अंकिता के माता-पिता: दरअसल, 16 अक्टूबर को अंकिता भंडारी के माता सोनी देवी और पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी ने दिल्ली में सीबीआई यानी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय जाकर वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की. जहां उन्होंने न्याय की मांग करते हुए मामले की बारीकी से जांच करने को कहा. सीबीआई अधिकारियों ने उन्हें प्रकरण के सभी पहलुओं का समुचित परीक्षण करते हुए विवेचना निष्पक्ष एवं न्यायसंगत ढंग से करने का आश्वासन दिया. 9 जनवरी 2026 को दी गई थी सीबीआई जांच की संस्तुति: गौर हो कि



बीती 9 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की संस्तुति कर चुके हैं. जिसके बाद से ही सीबीआई जांच रह रही है. सीबीआई की दिल्ली स्पेशल क्राइम ब्रांच (शाखा 2) दिल्ली में अज्ञात वीआईपी के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर चुकी है. देहरादून और ऋषिकेश पहुंच कर सबूत भी जुटाने का काम भी कर चुकी है. अभी मामले की तह तक जाने की कोशिश हो रही है. इधर, अंकिता

भंडारी में कथित वीआईपी को राज्यपाल नियुक्त करने के बाद से ही देहरादून से लेकर दिल्ली तक बवाल मचा हुआ है. अंकिता के माता-पिता दिल्ली के इंडिया गेट के बाहर धरना देने के साथ ही कई नेताओं से मिल चुके हैं. जबकि, विपक्ष मामले को लेकर सड़कों पर है. कांग्रेस हो या अन्य दल, सभी बीजेपी सरकार को घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। देहरादून में जहां कांग्रेस ने बाइक रैली निकालकर प्रदर्शन किया तो वहीं, प्रदेशभर में

भी प्रदर्शन देखने को मिला. अंकिता भंडारी मर्डर केस को जानिए: गौर हो कि 19 साल की अंकिता भंडारी पौड़ी गढ़वाल के श्रीकोट डोभ गंवा की निवासी थी. जो ऋषिकेश से सटे यमकेशवर ब्लॉक के गंगा भोगपुर स्थित तत्कालीन बीजेपी नेता विनोद आर्य के बेटे पुलकित आर्य के वनत्रा रिजॉर्ट में बतौर रिसिप्शनिस्ट की नौकरी करती थी. जो अचानक 18 सितंबर 2022 को लापता हो गई थीं. जिसका शव 24 सितंबर 2022 को चोला बैराज क्षेत्र में नहर से बरामद हुआ था. वहीं, मामले की जांच राजस्व पुलिस से होकर रेगुलर पुलिस तक पहुंची तो रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और उसके दोस्त अंकित गुप्ता, मनेनवर सौरभ भास्कर शक के दायरे में आए. जब पुलिस ने उनसे पूछताछ की, तो उन्होंने अंकिता भंडारी की हत्या की बात कबुली. उन्होंने पुलिस को बताया कि 18 सितंबर 2022 की रात अंकिता भंडारी को चोला बैराज की नहर में धक्का दे दिया था. जिससे उसकी मौत हो गई थी. इस मामले को लेकर पूरे

उत्तराखंड में बवाल हुआ. प्रदेशभर में लोग सड़कों पर उतरे और धरना प्रदर्शन किया. आखिरकार गवाह और बयानों के आधार पर 30 मई 2025 को कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें उम्र कैद की सजा सुना दी. जिस पर मामला थोड़ा ठंडा हुआ, लेकिन 28 दिसंबर 2025 को बीजेपी से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर की कथित पत्नी उर्मिला सनावर ने कुछ ऑडियो-वीडियो साझा कर दिया. फिर क्या एकाएक मामला गरमा गया. लोग फिर सड़कों पर उतर आए. उर्मिला सनावर ने बातचीत से जुड़े ऑडियो में किसी कथित वीआईपी का जिक्र किया था. जिसके बाद उत्तराखंड की रियासत में ऐसा भूचाल आया कि बीजेपी और सरकार के गले की फांस बन गई. विपक्ष ने भी इस मुद्दे को लपकते हुए सरकार को चौतरफा घेरना शुरू कर दिया. उधर, मामले को लेकर जनता भी सड़कों पर आ गई. मामला तूफ़ पकड़ता देख 9 जुलाई 2026 को सीएम धामी को सीबीआई जांच की संस्तुति करनी पड़ी।

ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में एबीवीपी की जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाब: अमित शाह

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि परिषद की यह जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाब है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।' शाह ने पंजाब यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के विश्वविद्यालयों में एबीवीपी जीत का जिक्र करते हुए विरोधियों पर भी हमला बोला। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में कहा,



‘पहले पंजाब यूनिवर्सिटी, फिर दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के 13 विश्वविद्यालयों में एबीवीपी की मिली यह शानदार जीत स्पष्ट संदेश है कि देश की युवा शक्ति झूठ, भ्रम व अराजकता फैलाने वाली ताकतों के साथ नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ी है। परिषद की यह जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं

का करारा जवाब है। ‘ एबीवीपी ने ओडिशा के छात्र संघ चुनावों में अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। संगठन ने 13 विश्वविद्यालयों में 8 अध्यक्ष और 11 महासचिव के पदों पर जीत हासिल की है। वहीं, 6 विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से क्लीन स्वीप किया है। विद्यार्थी परिषद ने जीत के बाद 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'ओडिशा के छात्रों का जनादेश स्पष्ट है, वे

रूस और अमेरिका से घिरे जेलेंस्की, कहा- ट्रंप ने दिया धोखा

● अमेरिकी राष्ट्रपति

बोले-यूक्रेनी राष्ट्रपति मुझे पसंद नहीं

कीव,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच उपजे तनाव के मध्य रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के नौ इलाकों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 15 लोग घायल हुए हैं और कई ऊर्जा संयंत्र तथा भवनों को नुकसान हुआ है। ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों के चलते लाखों लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई है। इस बीच जेलेंस्की ने ट्रंप पर यूक्रेन को धोखा देने का आरोप लगाया है। साथ ही ट्रंप के रूस के साथ किए डीलजल खरीद सौदे की निंदा की। जबकि ट्रंप ने कहा है कि



वह यूक्रेन के राष्ट्रपति को नापसंद करते हैं। यूरोपीय संघ (ईयू) समिट में भाग लेने के लिए बेलजियम पहुंचे जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं को असली नेता बताया। कहा, हम युद्ध को खत्म करना चाहते हैं लेकिन रूस की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिल रहा है। जेलेंस्की ने शिकायती लहजे में कहा, अब हमें अमेरिका से



स्त्रीय खुफिया सूचनाएं नहीं मिल रही हैं। साथ ही स्ट्रॉलिक इंटरनेट सेवा के सैन्य संस्करण स्ट्राशील्ड के सिग्नल अचानक डाउन कर दिए जाने से उसकी ड्रोन कार्रवाइयों और युद्ध मोर्चों पर होने वाले संवाद को बड़ा नुकसान हुआ है। ईयू की विदेशी मामलों की प्रमुख काजा कलास ने कहा है कि 27 देशों का

समूह अमेरिका को यूक्रेन मसले पर सहमत करने की कोशिश करेगा जिससे हम रूस पर युद्ध खत्म करने के लिए ज्यादा दबाव बना सके। लेकिन यह कोशिश इस समय बहुत मुश्किल नजर आ रही है। शुक्रवार को यूक्रेन ने भी रूस पर ड्रोन के बड़े हमले किए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि गुरुवार-शुक्रवार रात देश के विभिन्न इलाकों में 644 हमलावर यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए। रूसी डिफेंस सिस्टम ने जिन इलाकों में यूक्रेनी ड्रोन गिराए उनमें क्रीमिया और काला सागर भी शामिल हैं। इस दौरान मास्को के चार हवाई अड्डों पर 160 उड़ानों को विलंब से रवाना किया गया या उनके मार्ग बदले गए या उन्हें रद्द कर दिया गया। इसी प्रकार से सेंट पीटर्सबर्ग एयरपोर्ट पर 46 उड़ानों में विलंब हुआ या उन्हें रद्द कर दिया गया।

यूक्रेन के 300 सैनिकों को मारने में की मदद, फिर कीव भाग गया रूसी अधिकारी, रिपोर्ट में दावा

मास्को, कीव , एजेंसी। यूक्रेन को रूसी सैनिक के गुप्त सूचना मिलनी की वजह से उसने दुश्मन देश के 300 से अधिक सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। रूस-यूक्रेन जंग में रूसी सैनिक ने अपने ही देश की सूचना को गुप्त तरीके यूक्रेन को दे दी, जिस वजह से वो इतने सटीक अटैक करने में सफल रहा।अमेरिका के प्रसिद्ध समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक 26 साल के रूसी सैनिक ने अपने ही देश को धोखा दे दिया। वो अपने पद और पहुंच का गलत इस्तेमाल करते हुए यूक्रेन की सेना को सटीक और



अहम जानकारियां देने लगा। इतना ही नहीं अपनी ही सेना के जवानों को धोखे से मरवाने के बाद वो यूक्रेन भाग गया।यूक्रेनी सेना में हुआ शामिलवहां पहुंच कर वो यूक्रेन की सेना में शामिल हो कर पुतिन सरकार के खिलाफ लड़ने लगा। हालांकि इसकी कीमत उसने अपने

वैवाहिक जीवन को खराब कर चुकाई। उसकी पत्नी ने उस पर सरकार और खुद को धोखा देने का आरोप लगाया है। **कैसे दिया धोखा :** लैप्टोपटै लेव स्प्रूनिनकोव रूसी सेना में अपने पद के कारण सेना की गुप्त सूचना तक पहुंच रखता था। इस वजह से उसे सैन्य टुकड़ियों की आवाजही, युद्ध की योजनाओं की सटीक जानकारी होती थी। लैप्टोपटैट होने की वजह से दोही ड्रोन और निगरानी कैमरों तक के अहम डेटा तक वो अपनी पकड़ बनाए हुए था। **पास की अहम जानकारी:** उसका काम कमांडरों को उनकी यूनिट्स से

संपर्क बनाए रखने में मदद करना था ताकि उन्हें सर्विलांस सिस्टम से जानकारी मिले। हालांकि वो गुप्त रूप से यूक्रेनी मिलिट्री इंटेलिजेंस को अपने देश के ठिकानों और उनकी भविष्य की गतिविधियों के बारे में अहम और सटीक जानकारी दे दी। जिसे दुश्मन देश ने भरपूर इस्तेमाल किया। **पेट दर्द का बना कर भागा:** हमले वाले दिन वो पेट दर्द का बहाना बना कर दूर चला गया और उस कुछ समय के पश्चात ही यूक्रेनी सेना ने वो किया जो दिल दहलाने वाला था। मिसाइल के गिरते ही वहां पर लाशों के ढेर गए।

पीठ पर पंख बांधकर उड़ते हुए दफ्तर पहुंचता है युवक, वीडियो शेयर कर बताई वजह

वाशिंगटन, एजेंसी। रोजाना ऑफिस आना-जाना अवसर दिन का सबसे थकाऊ और तनावपूर्ण हिस्सा होता है। सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम सारी एनर्जी को खत्म कर देता है। हालांकि, इस समस्या से पार पाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सहारा लिया जाता है, लेकिन अमेरिका के एक व्यक्ति ने ट्रैफिक से बचने का अनोखा और नया तरीका खोज निकाला है। युवक सड़क पर गाड़ी चलाने के बजाय अपने ऑफिस सीधा उड़कर पहुंचता है। युवक के ऑफिस पहुंचने के तरीके को देख लोग हैरान हैं।



इस अनोखे परिवहन माध्यम के जरिए उन्हें अपने ऑफिस पहुंचने में सिर्फ 20 मिनट का समय लगता है। इस्टग्राम पर वायरल हुए एक वीडियो के माध्यम से हटजलर ने अपनी इस

रोमांचक और अनूठी डेली कम्यूट यात्रा के बारे में दुनिया को बताया। उनके मुताबिक, इस तरह की उड़ान के लिए किसी बड़े रनवे की कोई आवश्यकता नहीं होती, बल्कि इसके लिए केवल उड़ने का शौक और कुछ हटकर करने का साहस चाहिए होता है। **एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हैं जैकब:** अपने इस सफर के बारे में विस्तार से बताते हुए जैकब हटजलर कहते हैं, मैं एक एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के रूप में अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए अपना पैरामोटर उड़ता हूं। पैरामोटर असल में एक पैराग्लाइडर की तरह होता है, जिसके पिछले हिस्से में एक शक्तिशाली प्रोपेलर लगा होता है। इसमें आपको अपनी पीठ पर मोटर और प्रोपेलर को कसना होता है, थोड़ा दौड़कर उड़ान भरनी पड़ती है और फिर आप हवा में

बादलों के बीच तैरने लगते हैं। उन्होंने आगे बताया कि वे पैराजेट मेवरिक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें ओजोन सिरोंको 3 18इ विंग लगा होता है। यह सेटअप उन्हें बेहतरीन स्पीड, परफॉरमेंस और नियंत्रण का शानदार तालमेल देता है। हटजलर ने बताया कि वे सबसे पहले अपने अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के सामने सड़क तक पैदल चलकर आते हैं, फिर वहां अपना विंग सेट करते हैं और उड़ान भरने से पहले मोटर की तकनीकी जांच करते हैं। इसके बाद वे आसमान में उड़ान भरते हैं और एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर तक पहुंचने में उन्हें महज 20 मिनट लगते हैं। हालांकि, इस दौरान उन्हें नियमों का भी पालन करना पड़ता है। क्लास डेटा एयरस्पेस में प्रवेश करने से पहले उनके लिए टावर के साथ टू-वे कम्युनिकेशन यानी दोतरफा

बातचीत स्थापित करना अनिवार्य होता है। आसमान में अकेले सफर करते हुए हटजलर टावर पर मौजूद अपने सहकर्मियों से संपर्क साधते हैं और एयरपोर्ट के दक्षिण हिस्से में सुरक्षित उतरने की अनुमति मांगते हैं। टावर से होरी झंझी मिलने के बाद, जहां उन्हें अपने जेपिचर पर उतरने और शांत हवा में सवधानी बरतने की हिदायत दी जाती है-वे बेहद शालीनता और आराम से जमीन पर लैंड करते हैं। सोशल मीडिया पर जैकब का यह वीडियो वायरल है। इस वायरल वीडियो को 13.5 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और इस पर हजारों लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इंटरनेट यूजरस उनके इस अनोखे और रोमांचक अंदाज को देखकर हैरान हैं।

सिहावल के विकास को मिलेगी रफ्तार, भितरी में गौशाला सहित दो पीसीसी मार्गों का लोकार्पण

विधायक ने दो अन्य सड़कों का किया भूमिपूजन, बोले– विकास की हर कसौटी पर क्षेत्र को आगे ले जाना संकल्प



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिहावल विधानसभा क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति दी जा रही है क्षेत्र का कोई भी गांव और टोला विकास से वंचित नहीं रहेगा प्रदेश सरकार क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए संकल्पित है। यह बात सिहावल विधायक विश्वाभिष पाटक ने ग्राम पंचायत भितरी में आयोजित लोकार्पण एवं

भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित गौशाला भवन और दो पीसीसी मार्गों का लोकार्पण किया, जबकि दो अन्य मार्गों के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया कार्यक्रम का शुभारंभ मां वोणवादिनी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ इसके बाद स्थानीय कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया विधायक ने फ़ीता काटकर और पट्टिका का अनावरण

कर निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया कार्यक्रम में ग्रामीणों की मौजूदगी में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

गौशाला से किसानों को मिलेगी रहत: विधायक विश्वाभिष पाटक ने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित गौशाला का निर्माण पूरा होने से बेसहारा पशुओं को संरक्षण मिलेगा। साथ ही आवार पशुओं से

फसलों को होने वाले नुकसान में कमी लाने में मदद मिलेगी उन्होंने कहा कि गांव में पीसीसी सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और स्थानीय संस्कर्म मार्ग बेहतर होंगे उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर उन टोले-जयर्जे तक बिजली पहुंचाने का भी आश्वासन दिया जहां अभी विद्युतीकरण की आवश्यकता है विधायक ने ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना, सीधी-सिंगरौली फेरलेन सड़क निर्माण और गुलाब सागर नहर सहित क्षेत्र में चल रहे महत्वपूर्ण विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके पूरा होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: विधायक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रानुसार लाभ उठाना चाहिए उन्होंने लोगों से स्वयं के विकास के साथ प्रदेश और देश की प्रगति में सहभागी बनने का आह्वान किया एसडीएम रमेश शुक्ला

ने लोकार्पण एवं भूमिपूजन किए गए निर्माण कार्यों की लागत और उपयोगिता की जानकारी दी। साथ ही सेवा संकल्प अभियान की प्रगति से भी अवगत कराया।

इन कार्यों का हुआ लोकार्पण और भूमिपूजन: कार्यक्रम में ग्राम भितरी के नवनिर्मित गौशाला भवन, भितरी स्कूल से बृहस्पति यादव बस्ती तक पीसीसी मार्ग तथा छिहटा टोला से मलखम मार्ग तक पीसीसी सड़क का लोकार्पण किया गया वहीं, करहिया टोला से आंगनवाड़ी भवन तक पीसीसी मार्ग और भितरी आंगनवाड़ी भवन से पड़रिया सीमा तक पीसीसी मार्ग निर्माण का भूमिपूजन किया गया इस अवसर पर विधायक ने क्षेत्र के वरिष्ठजनों और वृद्धजनों को शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया कार्यक्रम में सरपंच अनुपमा सिंह, उपसरपंच उर्मिला यादव, पुष्पेंद्र पाण्डेय, जनपद पंचायत सीईओ रोहित उपाध्याय, तहसीलदार हिमांशु शुक्ला, एसडीओ श्रवण चतुर्वेदी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्थानीय गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीजन उपस्थित रहे।

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा पर्व के दौरान जिले में शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं पर्व के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन, दशहरा उत्सव, रावण दहन, जुलूस और रैलियों का आयोजन संभावित है इन आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित क्षेत्रों में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की इ्यूटी लगाई जाएगी अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने आदेश जारी कर जिले के समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को अपने-अपने अनुविभाग में आयोजनों की संवेदनशीलता और आवश्यकता के अनुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं प्रशासन का उद्देश्य पर्व के दौरान सभी आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्था बनाए

रखना है।
संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के निर्देश: जारी निर्देशों के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों, दशहरा आयोजनों, जुलूसों और रैलियों की सूची तैयार की जाएगी। इसके आधार पर आवश्यकता के अनुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की इ्यूटी निर्धारित की जाएगी संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और पर्याप्त प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है इसके साथ ही संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं जुलूसों और रैलियों के निर्धारित मार्ग, आयोजन के समय तथा विसर्जन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आससी तालमेल के साथ कार्य करना होगा।
विसर्जन स्थलों पर

सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण पर जोर: दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और संबंधित विभागों के बीच समन्वय के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी नियुक्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को निर्धारित स्थल और समय पर उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं किसी भी अप्रिय स्थिति को जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को देने के लिए भी कहा गया है।
कारवाई की जानकारी प्रशासन को देनी होगी: अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को अपने-अपने अनुविभाग स्तर पर आवश्यक आदेश जारी करने और की गई कार्रवाई से संबंधित कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं प्रशासन ने पर्व के दौरान सतत निगरानी, पुलिस के साथ प्रभावी समन्वय और आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर सुनिश्चित करने पर जोर दिया है ताकि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

कुसमी में शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा, सहायक आयुक्त ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

जेईई-नीट, अग्निवीर और नवोदय की तैयारी से लेकर छात्रवृत्ति व अपार आईडी तक की हुई समीक्षा, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर जोर



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकासखंड कुसमी के शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों और जनशिक्षकों की समीक्षा बैठक पीएम विद्यालय टमसार में आयोजित की गई बैठक में सहायक आयुक्त केके पाण्डेय ने विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक

गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विंदुवार समीक्षा की उन्होंने शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष जोर दिया बैठक में निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति और

एफएलएन कक्षाओं के संचालन की स्थिति की समीक्षा की गई। विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता और गणितीय कौशल विकसित करने के साथ कक्षा 1 से 12 तक पाठ्यक्रम की पूर्णता तथा

विद्यालयवार शैक्षणिक उपलब्धियों की जानकारी ली गई संबंधित अधिकारियों को निर्धारित शैक्षणिक लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

विद्यार्थियों की उपस्थिति और योजनाओं की प्रगति पर जोर: बैठक में आउट ऑफ स्कूल बच्चों की स्थिति की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में प्रवेश नहीं लेने वाले बच्चों की जानकारी और इसके कारणों पर चर्चा की गई छात्रवृत्ति वितरण तथा अपार आईडी निर्माणी की प्रगति का भी जायजा

लिया गया विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और पढ़ाई में उनकी उपलब्धियों को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास करने को कहा गया।

सेवा संकल्प अभियान और साक्षरता कार्यक्रमों की समीक्षा: सहायक आयुक्त ने सेवा संकल्प अभियान के तहत किए गए कार्यों, आधार शिविरों के आयोजन, ड्रॉप बाॅक्स से बच्चों को इमपोर्ट करने, नशामुक्ति अभियान और ईको क्लब की गतिविधियों की जानकारी ली इसके साथ ही साक्षरता सर्वे, साक्षरता कक्षाओं के संचालन, साक्षरता परीक्षा की तैयारी और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। पात्र लोगों को साक्षरता कार्यक्रम से जोड़ने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई।

संभागीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सीधी का दबदबा, बास्केटबॉल-श्रो बॉल सहित चार खेलों में बना विजेता



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में 16 से 17 अक्टूबर तक आयोजित संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन शनिवार को उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में हुआ प्रतियोगिता में सीधी, सतना, रीवा और सिंगरौली के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में सीधी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बास्केटबॉल, श्रो बॉल, कुरास

और स्क्वैश में विजेता का खिताब हासिल किया समापन समारोह की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष मंजु रामजी सिंह रहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश व्यायाम शिक्षक संघ के अध्यक्ष शलकांत सिंह और उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एस.एन. त्रिपाठी उपस्थित रहे।

विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम: प्रतियोगिता

के परिणामों में 14 वर्ष बालक वर्ग बास्केटबॉल में सीधी प्रथम और सतना द्वितीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में सतना विजेता और रीवा उपविजेता बना। एथलेटिक्स में रीवा ने पहला तथा सीधी ने दूसरा स्थान हासिल किया श्रो बॉल बालक वर्ग में सतना विजेता और सीधी उपविजेता रहा, जबकि बालिका वर्ग में सीधी ने खिताब जीता और सिंगरौली उपविजेता बना सेपक टकरा में सतना विजेता और रीवा उपविजेता रहा। कुरास में सीधी प्रथम और सतना द्वितीय स्थान पर रहा। स्क्वैश में भी सीधी विजेता और सतना उपविजेता बना क्रिकेट में सीधी और सतना को संयुक्त विजेता घोषित किया गया साइकिलिंग में रीवा विजेता और सीधी उपविजेता रहा जबकि ताइक्वांडो में रीवा प्रथम और सतना द्वितीय स्थान पर रहा।

सीधी में बीएसी और जनशिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेज, 22 अक्टूबर को काउंसलिंग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा केन्द्र सीधी में विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक (बीएसी) एवं जनशिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं इन पदों पर नियुक्ति के लिए 22 अक्टूबर 2026 को तृतीय काउंसलिंग आयोजित की जाएगी पात्र शिक्षक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत कर इस प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र विनय मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक विकासखण्ड स््रोत केन्द्र कार्यालय में बीएसी के पांच पदों तथा प्रत्येक जनशिक्षा केन्द्र में दो जनशिक्षकों के पदों की पूर्ति की जाएगी बीएसी के पांच पदों में विज्ञान संकाय के दो, सामाजिक विज्ञान संकाय का एक और भाषा संकाय के दो पद शामिल हैं भाषा

संकाय के दो पदों में एक पद ओजी विषय के लिए अनिवार्य रखा गया है।

उच्च श्रेणी शिक्षक और माध्यमिक शिक्षक होंगे पात्र: बीएसी एवं जनशिक्षक पदों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षक और माध्यमिक शिक्षक आवेदन कर सकते हैं आवेदक को आयु 1 जनवरी की स्थिति में 52 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कोई विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण अथवा लंबे समय से लगातार अनुपस्थित रहने संबंधी शिकायत प्रचलित नहीं होनी चाहिए जनजातीय कार्य विभाग में प्रतिनियुक्ति की अवधि शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित होगी।

21 अक्टूबर तक आवेदन, 22 को काउंसलिंग: पात्र शिक्षक निर्धारित प्रपत्र में संपूर्ण विवरण

भरकर अपना पंजीयन आवेदन 21 अक्टूबर 2026 को शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं निर्धारित समय तक आवेदन प्रस्तुत नहीं कर पाने वाले पात्र शिक्षक भी तृतीय काउंसलिंग में शामिल हो सकेगे इसके लिए उन्हें 22 अक्टूबर को डाइट सीधी में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सेवा एवं योग्यता संबंधी सभी आवश्यक अभिलेखों की प्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा बीएसी एवं जनशिक्षकों के रिक्त पदों की जानकारी जिला शिक्षा केन्द्र के सूचना पटल से प्राप्त की जा सकती है जिला परियोजना समन्वयक ने सभी शासकीय हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों और माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को अपने अधीनस्थ पात्र शिक्षकों तक निर्धारित प्रक्रिया एवं तिथियों की जानकारी पहुंचाने के निदेश दिए हैं।

मातृ मृत्यु रोकने के लिए समय पर उपचार और त्वरित रेफरल जरूरी : जिला चिकित्सालय में समीक्षा बैठक

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय रहते पहचान पर जोर, प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात स्वास्थ्य जांच निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मातृ मृत्यु की रोकथाम और गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय सीधी में मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक आयोजित की गई सिविल सर्जन डॉ. दीपा राणी इसमारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में उपचार के दौरान हुई मातृ मृत्यु के प्रकरणों पर विचार से चर्चा की गई साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में संभावित कमियों की पहचान कर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुधारणत्मक उपायों पर विचार-विमर्श किया गया बैठक में रेकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु को शून्य करने के लक्ष्य



यानी 'जिरो प्रिक्नेबल डेथ' पर विशेष जोर दिया गया अधिकारियों और चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं को समय पर उपचार

उपलब्ध कराने, प्रसव के दौरान आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं सुनिश्चित करने और गंभीर परिस्थितियों में तत्काल उचित

कदम उठाने की आवश्यकता पर चर्चा की।

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान जरूरी: बैठक में कहा गया कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय रहते पहचान मातृ मृत्यु रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच और प्रसव के बाद निर्धारित स्वास्थ्य परीक्षणों को तय प्रोटोकॉल के अनुसार सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया चिकित्सकों ने मातृ मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा के माध्यम से उपचार प्रक्रिया में सामने आने वाली संभावित

कमियों को समझने और उन्हें दूर करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की समय पर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं की पहचान होने से गर्भवती महिलाओं को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है।

गंभीर स्थिति में तत्काल रेफरल पर जोर: बैठक में गंभीर स्थिति में गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं को समय पर उच्च स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया रेफरल प्रक्रिया में देरी को रोकने तथा संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा हुई इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

कांग्रेस पर अराजकता के आरोप

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर हिंसा और अराजकता के सहारे बांग्लादेश की तरह सत्ता परिवर्तन के प्रयास में लिप्त होने का जो गंभीर आरोप लगाया, उसके लिए राहुल गांधी अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में धुर वामपंथी प्रशांत भूषण और नेहा बोरा को जिस तरह अपने साथ खड़े होने की विशेष सुविधा प्रदान की, उससे यही पता चला कि हताशा में आकर वे अराजकतावादीयों का भी सहयोग लेने

को तैयार हैं। प्रशांत भूषण कह रहे हैं कि हां, हम सत्ता परिवर्तन के लिए ही लड़ रहे हैं और इसमें कुछ गलत भी नहीं। वे खून-खराबे वाली क्रांति की भी बात कह चुके हैं। नेहा बोरा कह रही हैं कि उन्हें बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरणा मिली। उनकी समझ से बांग्लादेश का आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए था। वे जानबूझकर इसे भूल गईं कि बांग्लादेश के छत्र आंदोलन में कट्टरपंथी मजहबी तत्व शामिल थे और उन्होंने हिंसा का कैसा नंगा नाच किया था।

उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि तब वहां किस बड़े पैमाने पर हिंदुओं की हत्याएं हुई थीं और कथित लोकतंत्र प्रेमी छात्रों ने चरमपंथी संगठन जमाते इस्लामी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना पसंद किया था। नेहा बोरा वामपंथी छात्र संगठन आईसा की नेता हैं, लेकिन राहुल गांधी अपने छात्र संगठन के नेताओं से अधिक उन पर भरोसा कर रहे

हैं। इससे इसी बात की पुष्टि होती है कि वे वामपंथियों से कुछ ज्यादा ही प्रेरित हैं। यह भी सनद रहे कि कांग्रेस के एक और करीबी योगेंद्र यादव यह कह चुके हैं कि अब इस देश में लोकतंत्र का भविष्य संसद से नहीं, बल्कि सड़क से तय होगा। कांग्रेस नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी को स्पष्ट करना होगा कि

क्या वे अराजकता की खुली पैरवी करने वाले प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव और नेहा बोरा के विचारों से सहमत हैं? उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कॉंकरोच जनता पार्टी से दूरी बनाते-बनाते उसके निकट जाने की जरूरत क्यों पड़ रही है? यदि वे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विभिन्न पहलुओं की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट पर सच में भरोसा कर रहे हैं तो फिर सड़कों पर क्यों उतर रहे हैं? क्या यह सुप्रीम कोर्ट पर भरोसे का परिचायक

है कि वे भीड़ के साथ मार्च करते हुए याचिका दाखिल करना पसंद करते हैं? आखिर इसे अराजक व्यवहार के अलावा और क्या कहा जा सकता है? कांग्रेस केवल अपनी विचारधारा से भटक ही नहीं गई है, बल्कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों का अनादर भी कर रही है। उसे अच्छे से पता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिये ही हटया जा सकता है, लेकिन वह ऐसा जाहिर कर रही है कि यह काम अशांति पैदा करके भी हो सकता है।

एसआईआर पर संग्राम, कांग्रेस की चुनावी हार पर सवाल विवेक शुक्ला

ये किसी को बातों की जरूरत नहीं है कि चुनाव जीतने के लिए जनता का विश्वास जीतना पड़ता है। इसके लिए राजनीतिक दलों को लोगों के बीच जाना होता है, उनकी समस्याएं समझनी होती हैं और अपनी नीतियों पर भरोसा पैदा करना होता है। लेकिन जब कोई पार्टी लगातार चुनावी चुनौतियों का सामना करती है, तो उसके सामने आत्मसंश्रय का सवाल भी खड़ा होता है। कांग्रेस आज इसी स्थिति से गुजर रही है। राहुल गांधी लगातार आरोप लगा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी को जनता नहीं बल्कि चुनाव आयोग चुनाव जितवा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस की दशकों पुरानी चुनावी गिरावट के लिए केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदार उछराया जा सकता है?

राहुल गांधी के आरोपों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तब निशाने पर हैं। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव आयोग सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहा है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है लेकिन गंभीर आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण भी होने चाहिए। राजनीतिक बयानबाजी से किसी आरोप की सत्यता साबित नहीं होती। भाजपा की ओर से कांग्रेस को जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने उसके चुनावी इतिहास का हवाला दिया। उनका सवाल था कि यदि चुनाव आयोग और एसआईआर ही कांग्रेस की पराजय के कारण हैं तो उन राज्यों में पार्टी की कमजोरी का क्या कारण है, जहां वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है?

अमित शाह के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग सवाल उठाए। जयराम रमेश ने पूछा कि कितने घुसपैठियों की पहचान हुई और कितनों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए या उन्हें देश से बाहर निकाला गया। पवन खेड़ा ने जंतर-मंतर पर भारी पुलिस बल की तैनाती पर सवाल खड़ा किया। के.सी. घेगुणोपाल ने शाह के बयान को अगले चुनाव के परिणाम की अग्रिम घोषणा बताते हुए भाजपा पर चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाया।

इन प्रतिक्रियाओं के बीच कांग्रेस की चुनावी गिरावट पर बहस पीछे छूट गई। एसआईआर और घुसपैठियों से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण हो सकते हैं लेकिन कांग्रेस को अपनी राजनीतिक कमजोरियों पर भी विचार करना चाहिए। अमित शाह का मुख्य तर्क यही था कि पार्टी अपनी हार के कारणों की समीक्षा करे।

चार दशक से बहुमत से दूर कांग्रेस कांग्रेस को लोकसभा में अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिले चार दशक से अधिक समय बीत चुका है। वर्ष 1984 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पैदा हुई असाधारण परिस्थितियों में पार्टी ने 543 निर्वाचित सीटों में से 404 सीटें जीती थीं। उसके बाद कांग्रेस कभी अपने दम पर लोकसभा में बहुमत हासिल नहीं कर सकी।

राजीव गांधी के नेतृत्व में पार्टी 1989 और 1991 के चुनावों में भी बहुमत से दूर रही। सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 2004 और 2009 में वापसी की। 2004 में उसने 145 और 2009 में 206 सीटें जीतीं। सहयोगियों के साथ केंद्र में सरकार भी बनाई। लेकिन इसके बाद पार्टी का प्रदर्शन तेजी से गिरा।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस केवल 44 सीटों पर सिमट गई। 2019 में उसे 52 सीटें मिलीं, जबकि 2024 में उसकी सीटें बढ़कर 99 हो गईं। यह सुधार जरूर था लेकिन पार्टी बहुमत से बहुत दूर रही। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि कांग्रेस की चुनावी चुनौतियां एसआईआर से बहुत पुरानी हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को उसकी दशकों की राजनीतिक गिरावट का एकमात्र कारण नहीं माना जा सकता।

राज्यों में कमजोर होता जनाधार कभी देश के बड़े हिस्से में सरकार बनाने वाली कांग्रेस आज कई राज्यों में कमजोर स्थिति में है। तमिलनाडु में कांग्रेस का अपना मुख्यमंत्री बने छह दशक हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। उत्तर प्रदेश में पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं पहुंच सकी है। गुजरात और ओडिशा जैसे राज्यों में भी उसे लंबे समय से सत्ता से बाहर रहना पड़ा है।

विनोद सिंह ‘तकियावाला’

परिषद ने 15 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इन दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए पत्रकारों की सुरक्षा, जिम्मेदार रिपोर्टिंग तथा मीडिया संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया है। इनका उद्देश्य पत्रकारों को अपने पेशेवर दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सहायता देना और संवेदनशील परिस्थितियों में संभावित जोखिमों को कम करना है। *पहचान और पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी* -

भारतीय प्रेस परिषद ने रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों की पहचान और पेशेवर आचरण को महत्वपूर्ण माना है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, पत्रकारों को अपने मीडिया संस्थान अथवा समाचार पत्र द्वारा जारी वैध पहचान पत्र साथ रखना चाहिए। जहाँ लागू हो, वहाँ प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) अथवा दिल्ली सूचना एवं प्रचार निदेशालय (डीआईपी) का वैध मान्यता पत्र भी साथ रखना चाहिए। रिपोर्टिंग के दौरान पहचान पत्र स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना आवश्यक है, ताकि पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारी जरूरत पड़ने पर पत्रकार की पहचान सुनिश्चित कर सकें।

पत्रकारिता केवल घटनाओं को कैमरे में दर्ज करने अथवा समाचार लिखने तक सीमित नहीं है। इसके साथ निष्पक्षता और पेशेवर मर्यादा बनाए रखना भी जरूरी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों को किसी पक्ष का समर्थन करने, आंदोलन में भाग लेने, टकराव भड़काने अथवा प्रदर्शनकारियों, विरोधी समूहों और पुलिस के काम में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।तनावपूर्ण परिस्थितियों में संयम बनाए रखना और सुरक्षा के लिए जारी वैध निर्देशों का पालन करना आवश्यक है।पत्रकार की भूमिका किसी घटना का पक्षकार बनने की नहीं, बल्कि तथ्यों को सामने लाने की है।

उसे अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से जनता को यह समझने में सहायता करनी चाहिए कि घटनास्थल पर वास्तव में क्या हुआ, विभिन्न पक्षों की मांगें क्या हैं और प्रशासन की कार्रवाई का स्वरूप क्या है। यही निष्पक्ष पत्रकारिता की बुनियाद है। भीड़ के बीच सुरक्षा और सतर्कता जरूरी, प्रदर्शन स्थलों पर परिस्थितियां कभी भी बदल सकती हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान अचानक तनाव बढ़ने, भीड़ के अनियंत्रित होने अथवा प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है। ऐसे में पत्रकारों को संभावित टकराव से उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए और अपने आसपास की गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए।भारतीय प्रेस परिषद ने सलाह दी है कि पत्रकार पुलिस की बैरिकेडिंग, वाहनों अथवा अन्य उपकरणों पर कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण इस प्रकार न लगाएं, जिससे लोगों की आवाजाही बाधित हो अथवा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचे। भीड़ के बीच चलते समय सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि धक्का लगने, गिरने अथवा भीड़ के पैरों तले कुचले जाने का खतरा कम हो। रिपोर्टिंग के लिए घटनास्थल



पर पहुंचने के बाद सुरक्षित निकास मार्गों की जानकारी प्राप्त करना भी जरूरी है।आसपास के निकास द्वार, खुली सड़कें, फुटपाथ और सुरक्षित स्थानों की पहचान आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोगी हो सकती है। भीड़ के व्यवहार, शोर में अचानक बदलाव और संभावित टकराव के संकेतों पर ध्यान देना चाहिए।

यदि ऑफ़ गैस अथवा धुएं का इस्तेमाल होता है, तो पत्रकारों को भीड़ के भीतर आगे बढ़ने के बजाय सुरक्षित रास्ते से प्रभावित क्षेत्र से बाहर निकलना चाहिए। समाचार को सबसे पहले प्रसारित करने अथवा विशिष्ट दृश्य प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा में अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालना उचित नहीं है। पत्रकारिता में तत्परता महत्वपूर्ण है, लेकिन जिम्मेदारी और निष्पेक्षता भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। व्यक्तिगत सुरक्षा और प्राथमिक उपचार की तैयारी

प्रदर्शन स्थलों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा सामग्री साथ रखनी चाहिए। भारतीय प्रेस परिषद के दिशा-निर्देशों में प्राथमिक उपचार किट, आवश्यक व्यक्तिगत दवाइयां, पीने का पानी, अधिक प्रोटॉन वाले हल्के खाद्य पदार्थ, टॉर्च, तैलीया अथवा हाथ साफ करने के लिए कपड़ा और आंखों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त चश्मा रखने की सलाह दी गई है। संभावित खतरे का आकलन करने के बाद उपयुक्त सुरक्षा हेलमेट और शरीर की सुरक्षा से जुड़े उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, सुरक्षा उपकरणों का उद्देश्य जोखिम कम करना होना चाहिए, न कि पत्रकारों को अधिक खतरनाक परिस्थितियों में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना।

पत्रकारों को प्राथमिक उपचार की बुनियादी जानकारी प्राप्त करने और सुरक्षा उपकरणों का सही इस्तेमाल सीखने की आवश्यकता भी है। घटनास्थल पर किसी पत्रकार अथवा अन्य व्यक्ति के घायल होने की स्थिति में प्रारंभिक सहायता उपयोगी हो सकती है।

ऑफ़ गैस के गोले, फ्लैश-बैग उपकरण और धुआं उत्पन्न करने वाले ग्रेनेड जैसी वस्तुओं के मामले

में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पत्रकारों को इन्हें छूने, उठाने अथवा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का प्रयास नहीं करना चाहिए।इनमें गर्मी, विस्फोट अथवा खतरनाक अवशेषों का जोखिम हो सकता है। मीडिया संस्थानों और पत्रकारों के बीच समन्वय

पत्रकारों की सुरक्षा केवल उनकी व्यक्तिगत सतर्कता पर निर्भर नहीं करती। इसमें मीडिया संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारतीय प्रेस परिषद ने समाचार कक्षों को सलाह दी है कि वे घटनास्थल पर रिपोर्टिंग करने गए पत्रकारों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें। मीडिया संस्थान में एक जिम्मेदार संपर्क अधिकारी नामित किया जाना चाहिए, जो पत्रकारों की स्थिति पर नजर रख सके और आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक सहायता के लिए समन्वय कर सके।स्वतंत्र और फ्रीलांस पत्रकारों को भी अपने किसी विश्वसनीय संपादक अथवा संपर्क व्यक्ति को घटनास्थल, रिपोर्टिंग योजना और संभावित वापसी के समय की जानकारी देनी चाहिए। इससे आपातकालीन परिस्थिति में उनकी स्थिति का पता लगाने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। पत्रकारों को अपने सहकर्मियों की सुरक्षा के प्रति भी संवेदनशील रहना चाहिए। विशेष रूप से अकेले काम करने वाले पत्रकारों को नियमित संपर्क बनाए रखना चाहिए। जहाँ संभव हो, मीडिया संस्थानों को प्रदर्शन के आयोजकों, पुलिस अधिकारियों, जनसंपर्क अधिकारियों और प्रेस संपर्क प्रतिनिधियों के साथ समन्वय करना चाहिए। इससे संचार व्यवस्था, मीडिया के लिए निर्धारित स्थान और सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है।

तथ्यों की पुष्टि ही विश्वसनीय पत्रकारिता का आधार

भारतीय प्रेस परिषद के दिशा-निर्देशों में समाचारों की सटीकता, निष्पक्षता और तथ्य सत्यापन पर विशेष जोर दिया गया है। पत्रकारों को आरोपों, विचारों और अपुष्ट दावों को प्रमाणित तथ्यों से अलग रखना चाहिए। जहां संभव हो, जानकारी की पुष्टि अनेक स्रोतों से की

जानी चाहिए। प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत करते समय यह समझना जरूरी है कि उन्होंने घटना को किस स्थान से देखा और उनकी जानकारी कितनी विश्वसनीय है।

प्रदर्शनकारियों, आयोजकों, पुलिस और सरकारी अधिकारियों के बयानों की समान गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। किसी एक पक्ष के आरोपों को बिना पुष्टि के तथ्य के रूप में प्रस्तुत करने से समाचार की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। पत्रकारों को लोगों की मंशा अथवा भावनाओं के बारे में अनुमान लगाने के बजाय प्रत्यक्ष रूप से देखी गई गतिविधियों का विवरण देना चाहिए।इसी प्रकार, पुलिस की रणनीतिक गतिविधियों अथवा ऐसे निकास मार्गों की तत्काल जानकारी प्रसारित करने से बचना चाहिए, जिससे लोगों की सुरक्षा या अभियान की कार्यगत गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। बच्चों, घायलों, संकटग्रस्त व्यक्तियों और निजी नागरिकों की तस्वीरें अथवा पहचान प्रकाशित करते समय उनकी निजता और संभावित नुकसान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

आज समाचारों के त्वरित प्रसारण और डिजिटल माध्यमों पर प्रतिस्पर्धा के दौर में किसी घटना का वीडियो सबसे पहले दिखाने की होड़ बढ़ी है। लेकिन पत्रकारिता की सफलता केवल समाचार की गति से निर्धारित नहीं होती। उसकी वास्तविक कसौटी यह है कि जनता तक पहुंचाई गई जानकारी कितनी सही, निष्पक्ष और जिम्मेदार है। स्वतंत्रता, सुरक्षा और जवाबदेही का संतुलनभारतीय प्रेस परिषद के ये दिशा-निर्देश पत्रकारिता के तीन महत्वपूर्ण पक्षों को रेखांकित करते हैं। पहला, पत्रकारों की व्यक्तिगत सुरक्षा। दूसरा, घटनाओं की निष्पक्ष और तथ्यपरक रिपोर्टिंग। तीसरा, मीडिया संस्थानों तथा संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय।विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनभावनाओं और असहमति को व्यक्त करने का माध्यम हैं। इनकी रिपोर्टिंग के जरिए जनता को विभिन्न पक्षों की बात समझने का अवसर मिलता है। इसलिए पत्रकारों को स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण में काम करने का अवसर मिलना आवश्यक है। साथ ही, पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी पेशेवर मर्यादा बनाए रखें, तथ्यों की पुष्टि करें और किसी भी पक्ष के प्रति पूर्वाग्रह से बचें।इन दिशा-निर्देशों का महत्व तभी सार्थक होगा, जब पत्रकार, मीडिया संस्थान और संबंधित एजेंसियां अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएं। मीडिया संस्थानों को अपने पत्रकारों के साथ नियमित संपर्क और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। पत्रकारों को घटनास्थल पर जोखिम का आकलन करने, सुरक्षित निकास को योजना बनाने और अपुष्ट जानकारी प्रकाशित करने से बचने की आदत अपनानी चाहिए।अंततः लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और विश्वसनीय पत्रकारिता अनिवार्य है। पत्रकार सुरक्षित रहेंगे, समाचारों में तथ्यों की पुष्टि होगी और पेशेवर निष्पक्षता बनी रहेगी, तभी जनता तक घटनाओं की वास्तविक तस्वीर पहुंचेगी। भारतीय प्रेस परिषद के ये दिशा-निर्देश इसी जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

रिश्वतखोर पुलिस प्रशासन के सहयोग से पनपता है नशे का कारोबार

नशा माफिया के खिलाफ आवाज उठाने की कीमत सामाजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। यह हत्या कानून व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल लगाती है साथ ही पूरे समाज के लिए चेतावनी है। पंजाब के मानसा में नशे के सामान की बिक्री के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की हत्या की वारदात अपराधी तत्वों के बुलंदहोसले और कानून अदालत पुलिस का तनिक भी भय नहीं होने का संकेत है। जिस सामाजिक कार्यकर्ता का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना और समाज को इस बुराई के प्रति जागरूक करना हो, यदि उसी की आवाज को हिंसा के जरिए हमेशा के लिए बंद करने की कोशिश की जाती है, तो यह केवल एक समाजसेवी की हत्या नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनहित में उठाए जा रहे प्रयासों का भी खुल्लमखुल्ला कत्ल है।

मनोज कुमार अग्रवाल यह वारदात गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या नशे के खिलाफ आवाज उठाना इतना जोखिम भरा हो गया है कि सामाजिक कार्यकर्ताओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ सकती है? क्या नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के मन में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि नशे की समस्या से जुड़ा रहे पंजाब में आखिर इस कारोबार पर प्रभावी अंकुश कब लगेगा ?क्या यह अवैध कारोबार बिना पुलिस प्रशासन की गंदी मछलियों के संरक्षण के चल सकता है?

आपको बता दें कि पंजाब लंबे समय से नशे की समस्या से जुड़ा रहा है। नशे की लत ने अनेक परिवारों की खुशियां छीन ली हैं। युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है, माता-पिता अपने बच्चों को लेकर चिंतित हैं और समाज का एक बड़ा वर्ग इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। ऐसे माहौल में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। वे लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हैं, युवाओं को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करते हैं और प्रशासन का ध्यान उस समस्या की ओर खींचते हैं, जो किसी एक परिवार तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करती है। लेकिन यदि ऐसे कार्यकर्ताओं को ही निशाना बनाया जाने लगे, तो यह स्वाभाविक है कि समाज में भय का वातावरण पैदा होगा। दूसरे लोग भी नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बोलने से पहले अपनी सुरक्षा के बारे में

सोचने को मजबूर होंगे। नशे की समस्या को केवल व्यक्तिगत बुरी आदत मानकर नहीं देखा जा सकता। इसके पीछे नशे की आपूर्ति, अवैध बिक्री, संगठित आपराधिक नेटवर्क, युवाओं में बढ़ती निर्भरता और पुनर्वासी की चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। जब कम नशे की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती, तब तक केवल जागरूकता अभियान चलाकर इस समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं किया जा सकता। प्रशासन को यह समझना होगा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल गिरफ्तारियों और छापेमारी तक सीमित नहीं है। इसके लिए निरंतर निगरानी, निष्पक्ष जांच, अवैध कारोबार से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर कार्रवाई और दैषियों को अदालत से सजा दिलाने तक की प्रभावी व्यवस्था आवश्यक है। यदि किसी क्षेत्र में नशे का कारोबार बार-बार सामने आता है, तो यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि वहां इसकी आपूर्ति कैसे हो रही है और संबंधित तंत्र उसे रोकने में कितना सफल रहा है? भारत में नशे की समस्या कितनी गंभीरवह है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि तंयाकू के सेवन से देश में हर साल लगभग 13.5 लाख लोगों की मौत होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार बहुत से लोगों की जान नशीले पदार्थों की ओवरहेज से होती है। ये आंकड़े नशे से होने वाली पूरी तबाही को नहीं दर्शाते, क्योंकि शराब से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं और अन्य कारणों से हुई मौत अलग है। नशे के खिलाफ महाभियान के अंतर्गत कई राज्य सरकारों ने अपने तंत्रों तंबाकू-गुटखा पर प्रतिबंध लगाया है। हाल ही

में उत्तराखंड सरकार ने इस पर रोक लगाई है। बिहार में काफी पहले शराबबंदी की थी। इसी साल, कर्नाटक और नागालैंड ने भी तंबाकू या निकोटीन-मिश्रित गुटखा और पान मसाला पर एक वर्ष का प्रतिबंध लगाया है। नशे के खिलाफ अभियान का

यह केवल एक हिस्सा है। दूसरे हिस्से में शराब, बीड़ी और सिगरेट आती हैं। इसको अभी तक किसी राज्य सरकार ने नहीं रोक है। प्रायः पूरे देश में नशाखोरी अभिशाप बनकर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर नशे के खिलाफ महाभियान चल रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने दुनिया के देशों से अपील की है कि वह इस अभियान में सहयोग करें और नशे को इस चैन को तोड़ें। कोई भी देश अकेले इस समस्या का अंत नहीं कर सकता। आंतकवाद की एक कड़ी है ड्रा की तस्करी। अधिकांश देश किसी न किसी न किसी रूप में इससे जुड़ा रहे हैं। पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर तो इसका नेटवर्क तोड़ने में भारत सरकार शिद्वर से जुटी हुई है। नशा मुक्ति केवल

सरकार का विषय नहीं है। यह जनमानस का विषय है। बहुत से ऐसे उदाहरण हैं, जहां नशे परिवार के परिवार को घेरकर दिए। नशा मुक्ति केंद्र अवश्य बने हैं लेकिन यह भी इलाज कर पाने में नाकाम हैं। किसी चीज पर रोक लगा देने से समस्या का अंत नहीं होता है। समस्या का अंत अपनी जिजीविषा और आत्मबल से होता है। नशा केवल नशा नहीं है। यह कैसर जैसी गंभीर बीमारियों का घर है। हजारों लोग कैसर की चपेट में आकर कालकवलित हो जाते हैं। इसलिए, यह मानना कि यह सरकार का महाभियान है, गलत होगा। यह आपका और हमारा विषय मानना पर्याप्त नहीं है। यह देश के भविष्य, युवाओं की सुरक्षा का कारण नहीं बनता, बल्कि धीरे-धीरे पूरे परिवार, समाज और देश की नींव को कमजोर करता है। नशे की गिरफ्त में आया युवा अपनी संभावनाओं से दूर होता जाता है, परिवार और समाज के प्रति उत्तरदायी नहीं बन पाता है और समाज अपराध, हिंसा तथा असुरक्षा की नई लहर पैदा करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानना पर्याप्त नहीं है। यह देश के भविष्य, युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ गंभीर सवाल है। नशे के खिलाफ अब एक ऐसी जंग की जरूरत है, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शैक्षणिक संस्थान सभी की सक्रिय भागीदारी हो। चिंताजनक यह है कि अब नशे का कारोबार युवाओं और विद्यार्थियों तक पहुंचने लगा है। शिक्षण संस्थाएं इसके घेरे में आ गई हैं। इनके आसपास माफक पदार्थों की उपलब्धता, तस्करी के

नए तरीके और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले संपर्क इस चुनौती को और जटिल बना रहे हैं। नशे के कारोबार में आए दिन महिलाएं भी पकड़ी जा रही हैं। छात्राओं में भी नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जैसा इशारा स्कूल-कॉलेजों का प्रबंधन दे रहा है। नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोग अधिक मुनाफे के लालच में युवाओं के भविष्य को दांव पर लगाने से भी नहीं हिचकते। हम थोड़े से मुनाफे के चक्कर में राष्ट्र, समाज और परिवार हित भूल जाते हैं। पैसा आना चाहिए, चाहे वह कहीं से आए। नशे के खिलाफ जंग किसी एक दिन का अभियान या किसी विशेष अवसर पर ली गई शपथ नहीं हो सकती। इसकी सफलता इस बात से तय होगी कि कितने युवाओं को नशे से बचाया गया, कितने पीड़ितों को उपचार मिला और कितने परिवारों को फिर से खुशहाल जीवन जीने का अवसर मिला। नशे के कारोबारियों के प्रति कठोरता और नशे की लत से जुड़ा रहे लोगों के प्रति संवेदनशीलता; इन दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। नशे की गिरफ्त में आना आसान है, लेकिन इससे मुक्ति पाना बहुत कठिन। इसको तो केवल आत्मबल और इच्छा शक्ति के बल पर ही जीता जा सकता है। लेकिन जिन लोगों को नशे के अवैध कारोबार से होने वाली कमाई का खून मुंह लगा चुका है वह कड़े कानून और सजा के प्रवधानों से भी बचा नहीं आते क्योंकि पुलिस और प्रशासन में तैनात कुछ गंदी मछली नशा कारोबारियों से सुविधा शुल्क लेकर संरक्षण देते हैं। नशे की तस्करी व बिक्री का धंधा बिना रिश्वतखोर पुलिस और प्रशासन के नहीं चलता है इस ओर भी ध्यान देना होगा।

सात फेरे नहीं होने का हवाला देकर शादी रद्द कराने पहुंचा पति, हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की टिप्पणी—रस्मों के विवाद से विवाह अपने आप शून्य नहीं होता फैमिली कोर्ट का फैसला रद्द, लेकिन पति को नहीं मिली राहत



मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। फेसबुक पर दोस्ती के बाद मंदिर में शादी करने वाले एक युवक ने सात फेरे नहीं होने का हवाला देकर विवाह को अमान्य घोषित करने की मांग की। मामला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंचा, जहां डिवीजन बेंच ने पति की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल शादी की रस्मों को लेकर विवाद होने से विवाह को शून्य घोषित नहीं किया जा सकता। इसके लिए हिंदू विवाह अधिनियम में निर्धारित कानूनी



ली। इसके बाद दोनों के बीच मनमुटाव होने लगा और युवक ने विवाह को मानने से इनकार कर दिया पति ने लगाया दबाव में हस्ताक्षर कराने का आरोप युवक का दावा था कि उस पर शादी के लिए दबाव बनाया गया और आपराधिक मामले में

विवाह को अमान्य घोषित करने की मांग की पत्नी बोली-भरण-पोषण से बचने की कोशिश वहीं पत्नी ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि विवाह हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। उसके मुताबिक, शादी के बाद पति ने उसे पत्नी के रूप में स्वीकार किया और दोनों करीब डेढ़ महीने तक साथ रहे। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति भरण-पोषण की ज़िम्मेदारी से बचने के लिए विवाह को अमान्य घोषित कराना चाहता है हाईकोर्ट ने क्यों खारिज की याचिका फैमिली कोर्ट ने पहले ही पति की अर्जी खारिज कर दी थी हाईकोर्ट ने कानूनी प्रावधानों पर विचार करते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत विवाह संबंधित पक्षों के प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न होता है यदि उन रीति-रिवाजों में सात फेरे या अग्नि के सामने सात कदम लेना अनिवार्य है, तो उस पर विचार करना ज़रूरी है अदालत ने फैमिली कोर्ट के फैसले में कानूनी त्रुटि पाते हुए उसे निरस्त किया, लेकिन पति की मूल याचिका भी खारिज कर दी। इस तरह फैसले में प्रक्रियागत गलती सुधारी गई, पर पति को विवाह अमान्य घोषित कराने की राहत नहीं मिली।



जिले के भितरवार क्षेत्र के इरेखा गांव का निवासी था बताया गया है कि करीब पांच साल पहले वह अपनी ससुराल सेसई सड़क गांव में आकर रहने लगा था। वर्तमान में वह शिवपुरी के बड़ौदी क्षेत्र में पत्नी और बच्चों के साथ किराए के मकान में रह रहा था वह हाइड्रा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था टटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया पुलिस के अनुसार, फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी दीपक की अचानक मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है फिलहाल परिजन और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का सुनहरा अवसर, 12 नवंबर से शुरू होंगे दावे-आपत्तियां 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि पर होगा फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं को मिलेगा पंजीयन का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के दिशा-निर्देशानुसार जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इसके तहत जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत एवं 02 मनेन्द्रगढ़ की मतदाता सूची को अद्यतन कर त्रुटिरहित बनाने की कार्रवाई की जाएगी। इस पुनरीक्षण कार्यक्रम की अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पात्र युवाओं, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे नागरिकों तथा अन्य पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल करना है। इसके साथ ही मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों को दूर कर अधिक शुद्ध एवं अद्यतन सूची तैयार की जाएगी, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिल सके निर्धारित समय-सारणी के अनुसार होगा पुनरीक्षण कार्य विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण 2 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। प्रारूप सूची के प्रकाशन के साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा

18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं को अग्रिम आवेदन की सुविधा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, ऐसे युवा जो 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2027 की आगामी तीन अर्हता तिथियां 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा भी अग्रिम आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। इससे पात्र युवाओं को मतदाता बनने की प्रक्रिया में समय रहते शामिल होने का अवसर मिलेगा विभिन्न कार्यों के लिए निर्धारित फॉर्म का करें उपयोग मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6, प्रवासी भारतीय मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6। तथा मतदाता सूची से नाम विलोपित कराने के लिए फॉर्म-7 का उपयोग किया जाएगा।



कुएं से शव बाहर निकाला बताया गया कि रमेश के गले में गमछे से करीब 20 किलो वजनी पत्थर बंधे हुए थे इनमें एक छोर पर करीब 10 किलो और दूसरे छोर पर 5-5 किलो के दो पत्थर थे परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि रमेश की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी शव को पुलिस के सुपुर्द कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है फिलहाल मौत के कारणों और घटना की परिस्थितियों का खुलासा नहीं हुआ है पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है ।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से सरदार बसंत सिंह को मिली 62,790 की छूट



परिवार की बुनियादी जरूरतों में शामिल है। पेशेू कर्गों से लेकर रैनिक जीवन की विभिन्न आवश्यकताओं तक इसकी उपयोगिता बनी रहती है ऐसे में बिजली बिल की बक्या राशि अधिक होने पर उसका भुगतान करना कई उपभोक्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के माध्यम से पात्र उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रवधानों के अनुसार रहत उपलब्ध कराई जाती है जिससे उन्हें बक्या बिल के भुगतान में सहयाता मिल सके सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हिराग्रहियों के अनुभवों और सफलता की कहानियों को सामने लाया जा रहा है यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर

2026 तक संचालित किया जा रहा है इसका उद्देश्य जनसेवा और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ सखरी योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को जन-जन तक पहुंचाना है इन कहानियों के जरिए आम नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने और पात्र हिराग्रहियों को उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है सखर बसंत सिंह को मिली यह रहत इस बात का उदाहरण है कि शासन की योजनाएं जरूरतमंद उपभोक्ताओं को आर्थिक संकल प्रदान करने में सहयक हो सकती हैं उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति धन्यवाद जाित करते हुए आधार जताया। सेवा संकल्प अभियान 2026 के माध्यम से ऐसे अनुभवों को साझा कर जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ और आम नागरिकों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों को व्यापक स्तर पर सामने लाया जा रहा है।

मूंगफली के दाम 7 हजार से गिरकर 6 हजार रुपए क्विंटल हुए, किसानों ने करैरा मंडी में लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के करैरा कृषि उपज मंडी में मूंगफली के दामों में अचानक आई गिरावट से नागज किसानों ने शनिवार को मंडी गेट के सामने जाम लगा दिया किसानों का कहना है कि दो दिन पहले तक मूंगफली के भाव 7 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक मिल रहे थे, लेकिन अब कीमत घटकर 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल रह गई है। अचानक एक हजार रुपए की गिरावट से किसानों में नागजगी है प्रदर्शन कर रहे किसानों ने व्यापारियों पर मिलीभगत कर दाम कम करने का आरोप लगाते हुए मूंगफली की खरीदी 7 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने की मांग की



किसान रामस्वरूप लोधी और हरिओम यादव ने बताया कि मूंगफली की फसल तैयार करने में करीब 5,500 से 6,000 रुपए प्रति क्विंटल तक लागत आ रही है ऐसे में यदि उपज 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बेची जाती है तो किसानों को मेहनत के अनुरूप

लाभ नहीं मिल पाएगा। किसानों ने कहा कि खेती में बढ़ती लागत के बीच अचानक भाव गिरने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है प्रदर्शन कर रहे किसानों ने मंडी में मूंगफली की खरीदी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने निजी गोदामों में होने वाली खरीदी की प्रक्रिया पर

संदिह जताते हुए खुली नीलामी करणे और सभी किसानों की उपज के लिए पादस्थ व्यवस्था लागू करने की मांग की।

किसानों का कहना है कि खरीदी प्रक्रिया स्पष्ट होने से उन्हें उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा किसानों के प्रदर्शन की सूचना मिलने पर एसडीएम अनुम शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी एसडीएम ने मूंगफली के दामों में गिरावट के कारणों की जांच करने और नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया प्रशासन के आश्वासन के बाद मामले के निष्करण की उम्मीद जताई जा रही है ।

अवैध रेत परिवहन में जेसीबी ऑपरेटर को 3 साल की सजा, 26 हजार रुपए जुर्माना अरपा नदी से रेत ले जाने के मामले में अदालत का फैसला जज बोले- नदियां जरूरत पूरी करती हैं, लालच नहीं

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के मामले में विशेष न्यायालय ने सखर रख अपनाते हुए जेसीबी ऑपरेटर अनिल कुमार गौलिया को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 26 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है फैसला सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश ने प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर चिंता जताई और कहा कि नदियां लोगों की जरूरतें पूरी करने के लिए हैं लालच पूरा करने के लिए नहीं प्रकरण 17 जून 2025 का है नगोई घाट स्थित अरपा नदी से जेसीबी वाहन क्रमांक CG 11 क्र 3246 के जरिए रेत का अवैध परिवहन किए जाने पर कार्रवाई की गई थी। इस मामले में करगीरोड कोटय के डाक बंगला निवासी अनिल कुमार गौलिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया न्यायालय में सुनवाई के दौरान दोष सिद्ध होने पर आरोपी को तीन साल के कठोर कारावास और 26 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के एक अन्य मामले में भी अदालत दो आरोपियों को तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुना चुकी है यह मामला कोटय थाना क्षेत्र के लारीपाग रेत घाट से जुड़ था। न्यायालय ने अवैध खनिज गतिविधियों पर सख्ती का संदेश दिया है खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ



चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने 12 से 15 अक्टूबर के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की इस दौरान अवैध परिवहन में इस्तेमाल सात हाइवा और तीन ट्रैक्टर सहित कुल 10 वाहन जब्त किए गए वाहनों को संबंधित पुलिस थानों और खनिज जांच चौकी की अभिरक्षा में रखा गया है कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले में खनिज विभाग, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया था।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के करौंदी इलाके में शुक्रवार रात 40 वर्षीय रीना गौड़ ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उनके पति लखन गौड़ बीमार भतीजे को लेकर मेडिकल कॉलेज गए थे। महिला की मौत के बाद मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर परेशान करने के आरोप लगाए हैं फिजिकल थाना पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है बीमार भतीजे को लेकर मेडिकल कॉलेज गए थे पति लखन गौड़ ने बताया कि भतीजे की तबीयत खराब होने पर वह अपनी भाभी के साथ मेडिकल कॉलेज गए थे। इसी दौरान रीना ने घर पर फांसी लगा ली उन्हें घटना की जानकारी अपनी मां से मिली लखन ने मुताबिक, परिवार में वही अकेले कमाने वाले हैं पति ने बताया- मां से होती थी अनबन लखन ने



बताया कि रीना और उनकी मां के बीच अक्सर अनबन रहती थी, जिससे घर में विवाद होता था। वहीं मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर रीना को परेशान करने के आरोप लगाए हैं इन आरोपों की पुष्टि होना बाकी है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी आगे की कार्रवाई फिजिकल थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है पुलिस के अनुसार, परिजनों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी फिलहाल पुलिस घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने और सामुदायिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महतारी सदन का निर्माण करया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को एक साझा मंच उपलब्ध करणे की दिशा में महत्वपूर्ण है जहां वे आपसी समरसता के साथ सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकेंगी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में प्रथम एवं द्वितीय चरण के अंतर्गत कुल 10 महतारी सदनों के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है



महतारी सदन की अवधारणा ग्रामीण महिलाओं को केवल एक भवन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य उन्हें सामाजिक

गतिविधियों से जोड़ना, सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना और महिला सशक्तिकरण के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है



इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आपसी संवाद, सहयोग और सामुदायिक कार्यक्रमों में सहभागिता के अवसर मिल

सकेंगे सेवा संकल्प अभियान से जुड़ी जनभागीदारी की भावना छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा

संक्षिप्त समाचार

खरगोन में गेंदा 10 किलो में भी नहीं बिक रहा

किसान बोले- हमारी लागत नहीं निकल रही, फूल मंडी की मांग



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में नवरात्रि पर भी फूल उत्पादकों को राहत नहीं है। खेत से गेंदा 10 रुपए किलो में भी कोई खरीदने वाला नहीं, जबकि बाजार में यह 50 रुपए किलो बिक रहा है। किसानों ने जिले में फल-फूल मंडी शुरू करने की मांग की है। ढालखेड़ा के किसान सोहन सोलंकी ने बताया कि नवरात्रि सीजन में उन्हें सिर्फ 7 हजार रुपए मिले, जबकि प्रति एकड़ करीब 25 हजार रुपए खर्च आया। आसपास के तीन गांवों में लगभग 25 एकड़ और पूरे जिले में करीब 15 हजार हेक्टेयर में फूलों की खेती होती है। स्थानीय खरीदार और व्यवस्थित बाजार नहीं होने से किसानों को उपज का उचित दाम नहीं मिल रहा। वे फूल इंदौर मंडी भेजते हैं, पर परिवहन भाड़े के बाद मुनाफा नहीं बचता। मंडी बनने से स्थानीय बिक्री बढ़ेगी और परिवहन खर्च घटने से बेहतर दाम मिलेगा।

गरोठ में खेत से 110 किलो का मगरमच्छ रेस्क्यू:



मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। मंदसौर जिले में गरोठ-शामगढ़ रोड पर शिवकुमार वर्मा के खेत में 110 किलो का मगरमच्छ निकल आया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शुक्रवार दोपहर करीब दो घंटे की मशकत के बाद उसे सुरक्षित पकड़ लिया। शाम को मगरमच्छ को गांधी सागर जलाशय के बैंक वाटर में छोड़ दिया गया। खेत में मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों में दहशत खेत मालिक शिवकुमार वर्मा ने गरोठ रेंज के रेंजर नागू लाल मालवीय को मगरमच्छ मिलने की सूचना दी। इसके बाद वन विभाग ने रेस्क्यू टीम बनाई और मौके पर भेजी। मगरमच्छ के पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग की टीम ने सुरक्षित पकड़ा रेस्क्यू अभियान में वन विभाग के नरेंद्र चुंडावत, मुकेश मालवीय, किशोर गोस्वामी और चालक बागड़ी ने सहयोग किया। गरोठ नगर के नागरिक भी अभियान में शामिल रहे। टीम ने मगरमच्छ को पकड़ने के बाद गांधी सागर जलाशय के बैंक वाटर में उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

आदिवासी महिलाएं अवैध शराब के खिलाफ लामबंद



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के मांडवा की आदिवासी महिलाओं ने अवैध शराब बिक्री बंद करने की मांग की है। शनिवार दोपहर महिलाएं नेपालारी शहाबुद्दीन कुंरेशी को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने बताया कि गांव नशे से ग्रस्त है। हर मोहल्ले में अवैध शराब के अड्डे चल रहे हैं। पुलिस को जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई, जो चिंताजनक है। उनके अनुसार, आगामी सप्ताह में नशा मुक्ति कार्यक्रम है, पर अवैध शराब बिक्री से यह प्रयास बेकार हो रहा है। महिलाएं मजदूरी कर घर चलाती हैं, जबकि पुरुष शराब में पैसा और अनाज बर्बाद कर देते हैं, जिससे परिवारों में अशांति और गरीबी बढ़ रही है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि अगर अवैध शराब की बिक्री जल्द बंद नहीं हुई, तो बड़ा आंदोलन होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। आदिवासी एकता परिषद के जिलाध्यक्ष नाहर सिंग और कल्ली बाई ने भी शराब पर रोक की मांग की, साथ ही 25 अक्टूबर को नशामुक्ति सत्याग्र कार्यक्रम के बारे में बताया।

खेत से लापता युवक का नदी में मिला शव

किनारे पर जूता देख नदी में सर्चिंग कराई तो शव मिला, परिजन ने हत्या की आशंका जताई

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम सुआर में खेत में लापता हुए व्यक्ति का शव नदी में मिला है। पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई की है। शव देवरी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। शनिवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मृतक के परिजन ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। गांव के ही कुछ लोगों के नाम पुलिस को बताए हैं। पुलिस मामले दर्ज कर घटनाक्रम के सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, गम्बर पिता नन्हेभाई राजपूत उम्र 42 साल निवासी सुआर गुरुवार को अपने खेत पर थे। खेत पर उन्हें दोपहर 3 बजे तक देखा गया। इससे पहले उनके साथ गांव के कुछ लोग थे। गम्बर के लापता होने पर परिजन ने तलाश की। लेकिन वह कहीं नहीं मिले।

मामले की शिकायत देवरी थाने में की। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तलाश शुरू की।

इसी बीच शुक्रवार को नदी के पास गम्बर के जूते मिले।

पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर

शुक्रवार को खेत के पास से निकली नदी में सर्चिंग शुरू कराई। नदी गहरी होने के कारण कुछ पता





नहीं चल सका। इसके बाद गोताखोरों को बुलाया गया। गोताखोरों ने सर्चिंग कर नदी से शव

बरामद किया है। शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है।

जैविक सब्जियों का बाजार 2-3 महीने में बंद, अब शेडों में उग रही गाजर घास

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। किसानों को जैविक सब्जियों के लिए बाजार और शहरवासियों को रसायन मुक्त सब्जियां उपलब्ध कराने की योजना कुछ ही महीनों में दम तोड़ गई। सागर रोड स्थित उप संचालक कृषि कार्यालय परिसर में इसके लिए तीन शेड बनाकर करीब 10 दुकानों की व्यवस्था की गई थी। शुरुआत में रविवार को बाजार लगाया गया, बाद में बुधवार को भी दुकानें लगने लगीं। पहले दो-तीन किसान सब्जियां बेचने पहुंचे, लेकिन विभाग न तो दूसरे किसानों को जोड़ पाया और न ही ग्राहकों का भरोसा कायम रख सका। नतीजा यह हुआ कि दो-तीन महीने में ही बाजार बंद हो गया। अब जिन शेडों में जैविक सब्जियां बिकनी थीं, वहां गाजर घास उग रही है। शुरुआत में ग्राहकों ने जैविक सब्जियों में रुचि दिखाई, लेकिन यह ज्यादा दिन

भरोसेमंद व्यवस्था ग्राहकों को नजर नहीं आई। प्रमाणन, जांच और उत्पादों की प्रामाणिकता से जुड़ी जानकारी उपलब्ध नहीं होने से लोगों के मन में संदेह बना रहा। प्रचार नहीं किया, किसान भी नहीं जोड़े: बाजार शुरू होने के बाद विभाग इसका पर्याप्त प्रचार नहीं कर पाया। लोगों को दुकानें लगने के दिन और समय की जानकारी तक नहीं मिली।

शुरुआती दो-तीन किसानों के बाद अन्य किसानों को जोड़ने के प्रयास भी सफल नहीं हुए। किसानों की दिक्कतें दूर नहीं हुईं: दूर-दराज से सब्जियां लाने, नहीं बिकने पर उन्हें सुरक्षित रखने और नियमित बिक्री जैसी व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान नहीं हुआ। ग्राहकों की कमी के कारण सब्जियां नहीं बिकीं तो किसानों ने बाजार आना बंद कर दिया।

तक बाजार की जानकारी नहीं पहुंची। धीरे-धीरे ग्राहक और विक्रेता दोनों इससे दूर होते गए। जैविक होने का भरोसा नहीं दिला पाया: बाजार में बिकने वाली सब्जियों के जैविक होने की पुष्टि कैसे होगी, इसकी

23 अक्टूबर को देशभर में लोकतंत्र बहाली आंदोलन, किसान संघर्ष समिति ने तैयारियों का लिया जायजा

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SAR रद्द करने की मांग; ‘हर हाथ में तिरंगा, हर घर जंतर-मंतर’ के नारे के साथ जुटने की अपील

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। किसान संघर्ष समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 17 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में छह राज्यों के पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों और 25 जिलों के जिला अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में दिल्ली में युवाओं पर कथित पुलिस दमन के विरोध और लोकतंत्र बहाली के लिए 23 अक्टूबर को देशभर में आंदोलन करने की रणनीति पर चर्चा की गई राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम ने कहा कि युवा लोकतंत्र की बहाली और व्यवस्था की जवाबदेही तय करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद युवा जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन का अधिकार हासिल करने की मांग उठा रहे हैं। समिति ने 23 अक्टूबर को लोकतंत्र बहाली दिवस’ मनाने का आह्वान किया है बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा और विभिन्न नागरिक संगठनों के साथ मिलकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और स्वरूप प्रक्रिया रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन की बात कही गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर सुशीला ताई मोरले ने कहा कि युवाओं पर पुलिस कार्रवाई से किसानों में प्रेरणा है, जो 23 अक्टूबर को देशभर में दिखाई देगा राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट शिव सिंह और राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह ने सभी संगठनों से झंडे-बैनर से ऊपर उठकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम के प्रचार के लिए सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करने का आग्रह

किया शिव सिंह ने बताया कि विंध्य के जिलों में भी तैयारियां चल रही हैं मध्य प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट आराधना भार्गव ने परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं और पंचक व्यपवर्तन परियोजना से प्रभावित किसानों के मुद्दे उठाए वहीं इंद्रजीत सिंह शंकु ने 23 अक्टूबर और 26 नवंबर के कार्यक्रमों तैयारी की जानकारी दी। बैठक में खाद की किल्लत और सिंगरीली में खनन परियोजनाओं से प्रभावित किसानों-आदिवासियों के मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

सफलता की कहानी

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से प्रदीप विश्वकर्मा के हुनर को कारोबार में बदलने का संबल

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। हुनर, मेहनत और सही अवसर का साथ मिले तो आत्मनिर्भरता की राह आसान हो जाती है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना ने ऐसे ही पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपने कौशल को व्यवसाय में बदलने तथा स्वरोजगार को आगे बढ़ाने का अवसर दिया है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान कार्यक्रम के तहत आज कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने लटेरी में उद्यमियों से संवाद किया है।इस अवसर पर लटेरी निवासी श्री प्रदीप विश्वकर्मा इसकी एक प्रेरणादायक मिसाल हैं। हितग्राही श्री प्रदीप विश्वकर्मा ने बताया है कि जय माता दी स्टील वेल्डिंग वर्कशॉप का संचालन कर वेल्डिंग के क्षेत्र में अपने हुनर के माध्यम से स्वरोजगार कर रहे हैं। वेल्डिंग का कार्य तकनीकी दक्षता, अनुभव और कुशलता की मांग करता है। अपने व्यवसाय को और बेहतर बनाने तथा कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ प्राप्त किया।

योजना से मिला आर्थिक और तकनीकी संबल: प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से श्री प्रदीप विश्वकर्मा को व्यवसाय के संचालन एवं विस्तार के लिए एक लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। ऋण सुविधा के साथ उन्हें 5 प्रतिशत वार्षिक रियायती व्याज दर का लाभ मिला,

जिससे व्यवसाय में आवश्यक निवेश करने का अवसर मिला।

योजना के अंतर्गत उन्हें अपने कार्य से संबंधित कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही व्यवसाय में उपयोगी टूलकिट एवं आधुनिक औजारों की

हुनर को मिला सम्मान , आत्मनिर्भरता को नई राह

श्री प्रदीप विश्वकर्मा बताते हैं कि योजना के माध्यम से प्राप्त आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और टूलकिट ने उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। इससे उन्हें अपने हुनर के साथ आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और स्वरोजगार को मजबूत करने का अवसर मिला है। उनकी जय माता दी स्टील वेल्डिंग वर्कशॉप, लटेरी आज इस बात का उदाहरण है कि सरकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ लेकर पारंपरिक कारीगर अपने कौशल को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को प्रशिक्षण, टूलकिट, ऋण एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध करारकर उनके हुनर को सशक्त बनाना है।

सहायता मिली। इन सुविधाओं से उन्हें अपने पारंपरिक कौशल को और अधिक निखारने तथा कार्य को बेहतर तरीके से संचालित करने में सहयोग मिला।

बैंकिंग व्यवस्था, डिजिटल लेन-देन और बचत के गुर सीखने बैंक पहुंचे विद्यार्थी



मीडिया ऑडीटर, सुल्तानपुर (निप्र)। सरस्वती शिक्षा विद्या भारती मध्य भारत प्रांत की योजना के तहत आयोजित दिशाबोध शिविर के दूसरे दिन विद्यार्थियों का मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, सुल्तानपुर में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उद्देश्य था विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना। इस दौरान 21 भैया-बहनों ने बैंक की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। शाखा प्रबंधक और अन्य अधिकारियों ने बैंकिंग व्यवस्था, बचत, डिजिटल लेन-देन, वित्तीय सुरक्षा की जानकारी दी। बैंक अधिकारियों ने बचत खाते समेत विभिन्न तरह के खाते, राशि जमा करने, निकालने की प्रक्रिया, चेक के उपयोग के बारे में समझाया। हृदयस्नग्ध, ऋतुवत्स जैसी डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी। ऑनलाइन लेन-देन का महत्व बताया। बचत की आदत से मजबूत होगा भविष्य अधिकारियों ने सार्वधि जमा एफडी, उसके लाभ, विभिन्न जीवन बीमा योजनाओं की जानकारी दी।

वैश्य महासम्मेलन ने किया कन्या पूजन, छात्रावास की बेटियों को बांटे उपहार

घोघर स्थित निशक्त कन्या छात्रावास में कन्या भोज का आयोजन समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। वैश्य महासम्मेलन रीवा के तत्वावधान में घोघर स्थित निशक्त कन्या छात्रावास में कन्या पूजन, कन्या भोज और उपहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विधि-विधान से कन्याओं का पूजन कर उन्हें स्नेह स्वरूप उपहार भेंट किए गए आयोजन के दौरान उत्साह और भक्तिभाव का माहौल रहा वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष बंसीलाल साहू ने बताया कि कार्यक्रम प्रदेश महामंत्री अनुल जैन के मार्गदर्शन और प्रेरणा से संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य बेटियों के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करने के साथ समाजसेवा को भावना को प्रोत्साहित करना रहा कन्याओं को उपहार वितरित किए गए और उनके साथ कन्या भोज भी आयोजित किया गया कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता मुख्य

अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष बंसीलाल साहू ने की। समारोह में संगठन के पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने सहभागिता निभाई इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, संभागीय युवा अध्यक्ष सुमित गुप्ता, संभागीय महिला प्रभारी गायत्री गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी कमलेश अग्रवाल, जिला प्रभारी संजीव गुप्ता, महिला इकाई जिलाध्यक्ष नीलम

चौरसिया, नगर अध्यक्ष लवकुश गुप्ता, संजय गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, उपदेश पंसारी, रमेश साहू और वरिष्ठ समाजसेविका सरोज सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे कार्यक्रम में कन्हैया गुप्ता, शिव कुमार साहू, लीना साहू, राजेश साहू, डॉ. मीना गुप्ता, गीता गुप्ता, अनुल अग्रवाल, राजकुमार ताम्रकार, अजित साहू, सचिन साहू, अंकित साहू, प्रमोद साहू, सुरेश साहू और विनय साहू सहित कई लोगों ने भाग लिया।

सलकनपुर मार्ग पर हादसा: दो ऑटो की भिड़ंत, 15 गंभीर घायलों को किया रेफर



मीडिया ऑडीटर, सलकनपुर (निप्र)। मां विजयासन देवी धाम सलकनपुर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं का ऑटो शुक्रवार दोपहर ग्राम बायां के पास सामने से आ रहे दूसरे ऑटो से टकरा गया। हादसे में 15 लोग घायल हो गए। इनमें से चार की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए नर्मदापुरम अस्पताल रेफर किया गया। घायलों को उपचार के लिए रेहटी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने इलाज शुरू किया। बताया गया कि दोनों ऑटो में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, एक ऑटो सलकनपुर धाम में दर्शन कर श्रद्धालुओं को लेकर लौट रहा था, जबकि दूसरा यात्रियों को लेकर दर्शन के लिए जा रहा था। इसी दौरान ग्राम बायां के पास दोनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों ऑटो में कुल 15 यात्री सवार थे। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर सफर कराने से यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा होता है। डॉक्टरों की टीम ने संभाला मोर्चा हादसे के बाद घायलों को रेहटी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने तत्काल उपचार शुरू किया। चार घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें नर्मदापुरम अस्पताल भेजा गया, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

दिल्ली कैपिटल्स ने चामिंडा वास को बनाया गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 2027 सत्र के लिए अपने कोचिंग स्टाफ को बेहतर करने के लिए पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चामिंडा वास को अपने साथ जोड़ा है। वास टीम के नये गेंदबाजी कोच होंगे और वह मुख्य कोच सौरव गांगुली और बल्लेबाजी कोच युवराज सिंह के साथ मिलकर टीम को बेहतर बनायेंगे। दिल्ली ने वास को इसलिए शामिल किया है जिससे कि उनके लंबे अनुभवों का लाभ टीम को मिल सके। वास के कोचिंग स्टाफ में आने से दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी आक्रमण में नई ऊर्जा और रणनीतिक गहराई भी आयेगी। वास के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबा अनुभव है। वह श्रीलंका की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने कुल कुल 761 विकेट लिए हैं। उनकी रहने से युवा और अनुभवी दोनों तरह के गेंदबाजों को गेंदबाजी कला में सुधार का अवसर मिलेगा। फ्रेंचाइजी को विश्वास है कि वास का मार्गदर्शन गेंदबाजों को दबाव की स्थिति से निपटने और मैच-विजेता



प्रदर्शन करने में सहायता करेगा। गौरतलब है कि वास ने साल 2008 से 2010 तक आईपीएल में खेला था। इस गेंदबाज ने तीन सीजन डेक्कन चार्जर्स का प्रतिनिधित्व किया था, जहां उन्होंने 13 मैचों में 18 विकेट लिए थे। वह वास 2009 में डेक्कन चार्जर्स की उस

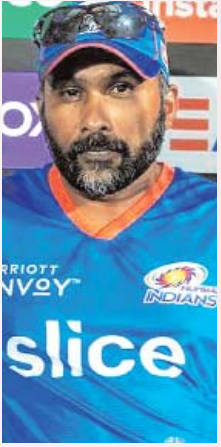
पहले कई बार श्रीलंका की राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट टीम में रहे हैं और न्यूजीलैंड तथा आयरलैंड जैसी अंतरराष्ट्रीय टीमों के सलाहकार भी रहे हैं। राष्ट्रीय टीमों के अलावा, उन्होंने विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप और उसकी चुनौतियों की गहरी समझ है। उनका यह विविध अनुभव दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों को आधुनिक क्रिकेट की मांगों के अनुरूप ढालने में मददगार साबित होगा। दिल्ली कैपिटल्स सिर्फ दिग्विजय स्मिथर अमित मिश्रा की भी कोचिंग स्टाफ में शामिल कर सकती है। ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि अमित मिश्रा अगले सत्र में कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच होंगे। अगस्त और सितंबर में बेंगलुरु में आयोजित हुए टीम के ट्रायल कैप में सौरव गांगुली और युवराज सिंह के साथ-साथ अमित मिश्रा भी मौजूद रहे थे। बाद में चामिंडा वास भी इन शिविरों में शामिल हुए थे, जो इन सभी संभावित नियुक्तियों की ओर स्पष्ट इशारा करता है।

मुंबई इंडियंस को आईपीएल सत्र से पहले झटका

महेला जयवर्धने ने मुख्य कोच पद छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस का मुख्य कोच पद छोड़ दिया है। जयवर्धने के आईपीएल 2027 सत्र से ठीक पहले कोच पद छोड़ने से टीम को करारा झटका लगा है। मुंबई इंडियंस ने भी माना है कि जयवर्धने ने कोच पद छोड़ दिया है। वह इससे पहले साल 2017 से 2022 तक टीम कोच रहे थे। इसके बाद साल 2024 से 2026 तक के अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान टीम के साथ रहे, हालांकि वह अब इसे पूरा करने से पहले ही विदा ले रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में, मुंबई इंडियंस ने तीन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता। इससे वह

सहयोग और टीम को पहली वरीयता देने में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में, टीम ने न केवल मैदान पर सफलता देखी, बल्कि एक मजबूत और एकजुट इकाई के रूप में भी उभरी, जिसने मुंबई इंडियंस की पहचान को और गहरा किया। अपने विदाई संदेश में जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस को एक दशक से ज्यादा समय से उनके सफर का एक बहुत ही विशेष हिस्सा बताया। उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग टीम, के समर्थकों और सबसे बढ़कर फ्रेंचाइजी के मालिकों, श्रीमती नीता अंबानी और आकाश अंबानी को उनके अटूट समर्थन और भरोसे के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हमने साथ मिलकर कुछ यादगार पल साझा किए हैं, चुनौतियों का सामना किया है और कुछ ऐसा बनाया है जिस पर हम सभी को गर्व हो सकता है। जयवर्धने ने टीम की सफलता पर गर्व जताया और आने वाले सालों में फ्रेंचाइजी की निरंतर सफलता की कामना की।



यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे के लिए

एकदिवसीय सीरीज में शामिल नहीं करने पर भड़के अश्विन

चेन्नई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने युवा बल्लेबाज यशवी जाएसवाल को एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे में शामिल



मिल रहा है, इससे उनके आत्मविश्वास पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। अश्विन ने यशस्वी को खेल में आए बदलाव को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मुझे लग रहा है कि इससे उसका आत्मविश्वास टूट रहा है। अगर आप उसकी बल्लेबाजी देखें तो वह दो-तीन साल पहले की तरह बल्लेबाजी नहीं कर रहा है। साथ ही कहा कि लगातार बेंच पर बैठे रहने से एक युवा खिलाड़ी की स्वाभाविक खेल शैली प्रभावित होती है। अश्विन ने यशस्वी के हाल के प्रदर्शन का भी हवाला दिया, जो उनकी टीम में वापसी के तर्कों को और मजबूत करता है। इस बल्लेबाज ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के आखिरी मैच में 86 गेंदों पर नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेली थी। उन्हें विराट कोहली के चोटिल होने के कारण टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने मिले अवसर का भरपूर फायदा उठाते हुए अपनी प्रतिभा को दिखाया है। अश्विन ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की जिम्मेदारी पर जोर दिया कि वे इस युवा प्रतिभा को पर्याप्त अवसर प्रदान करें ताकि वह अपने खेल को निखार सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर सके। उन्होंने कहा, वह रन मशीन था। अगर उसका आत्मविश्वास टूट रहा है, तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को चाहिए कि जब भी संभव हो तब उसे मौका मिले। अश्विन की यह टिप्पणी भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारों को पर्याप्त अवसर देने की जरूरत पर बदल देती है जिससे वह अपना फार्म न खोयें।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में खेली धमाकेदार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने यहां जारी घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट वीनू मांकड़ ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए चंडीगढ़ के खिलाफ 173 रनों की शायकी पारी खेली है। 18 साल के आर्यवीर ने दिल्ली की कप्तानी करते हुए 143 गेंदों में तेजी से 173 रन बनाये। इस युवा बल्लेबाज ने अपनी आक्रामक पारी से विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 19 शानदार चौके और आठ छक्के लगाये। इससे दिल्ली की टीम 50 ओवरों में छह विकेट पर 289 रनों बनाने में सफल रही। वहीं इससे पहले दिल्ली को कर्नाटक के खिलाफ पहली मैच में हार झेलनी पड़ी थी। तब दिल्ली ने 418 रन दिये थे और इसके बाद 220 रनों पर सिमट गयी थी। उस मैच में आर्यवीर ने 32 रन बनाए थे पर वह अपनी पारी को एक बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे थे। इस बार, उन्होंने अपनी कप्तानी पारी से टीम का जबरदस्त जीत दिलायी। चंडीगढ़ के खिलाफ टीस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए, आर्यवीर ने सलामी बल्लेबाज अर्नव के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 98 रन बनाये। इससे दिल्ली की अच्छी शुरुआत मिल गयी।



ईसीबी ने भारत दौरे के लिए इंग्लैंड ए टीम घोषित की



लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस साल के अंत में होने वाले भारत दौरे के लिए इंग्लैंड ए महिला टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इस दौरे के लिए टीम में तेज गेंदबाज लॉरेन फाइनर, इसी वॉग और बाएं हाथ की स्पिनर टिली कॉर्टीन-कोलमैन सहित युवा और अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी इस साल टी20 विश्व कप में

उपविजेता रही इंग्लैंड की सीनियर टीम का भी हिस्सा थीं। भारत ए के खिलाफ इस दौरे में इंग्लैंड ए टीम तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मैच सहित कुल सात मुकाबले खेलेगी। इसका लक्ष्य भविष्य के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है। इस दौरे के लिए चुनी गई टीम काफी अनुभवी है, जिसमें 11 खिलाड़ियों ने पहले ही इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है।

लायन्स बेडमिंटन ट्रॉफी : मांडवी, नायशा और कृषा क्वार्टर फाइनल में



इंदौर, एजेंसी। पांचवीं लायन्स बेडमिंटन ट्रॉफी चंद्रकला बिहानी स्मृति विद्यालयीन खुली स्पर्धा में विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले खेले जा रहे हैं। 15 वर्ष बालिका एकल में मांडवी गांधी, अक्वी वर्मा, शिवांगी जाट, नायशा पुरोहित, ओमिशा मेहता, दिवा चौकरसे

और कृषा सोलंकी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, 11 वर्ष बालिका एकल में यानिका चोरे, आर्या यादव, श्रीनिका जोशी, अनन्या जैन, शिविका तिवारी, आरोही गोयल, अनन्या शर्मा और जान्वी जगदे ने अंतिम आठ में प्रवेश किया। लायन्स क्लब इंदरनेशनल ड्रिफ्टवुट 3233 जी-1, लायन्स क्लब ऑफ इंदौर महानगर और सरताज अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में मल्लार क्रीड़ा मंडल में आयोजित स्पर्धा के 17 वर्ष बालिका एकल में कृषा सोलंकी ने नायशा पुरोहित को 11-15, 15-13, 15-13 से हराया। 15 वर्ष बालिका एकल में मांडवी गांधी ने मनस्वी गोडबोले को 15-1, 15-2 से, शिवांगी जाट ने तनिशी पाल को 15-9, 15-6 से और अक्वी यादव ने दिशा मेहता को 15-1, 15-10 से पराजित किया। नायशा पुरोहित ने आराध्या कल्याणी को 15-11, 7-15, 15-7 से, जबकि कृषा सोलंकी ने भव्या मराठे को 15-1, 15-7 से हराया। 13 वर्ष बालिका एकल में अनुष्का चक्रवर्तिया, भाग्यश्री, अधिरा जैन, अक्वी वर्मा, शिवांगी जाट और काव्या बागदे ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इसी वर्ग में अधिरा जैन ने ज़री रंजिन को 15-9, 15-6 से और काव्या बागदे ने दुर्वि खडेलवाल राठी को 15-6, 15-12 से पराजित किया।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए बुमराह-आकाशदीप और ऋषभ की टेस्ट टीम में वापसी

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड दौरे में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं को भी जगह मिली है। जहां मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप के साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक बार फिर उपेक्षा हुई है। माना जा रहा था कि चयन समिति में बदलाव के बाद शमी को टीम में जगह मिलेगी पर ऐसा नहीं हुआ। अगले माह नवंबर में होने वाली ये सीरीज विश टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को देखते हुए बेहद अहम मानी जा रही है। टीम की कप्तानी युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को सौंपी गई है। वहीं चोट से उबरने के कारण बुमराह और आकाश दीप को टीम में जगह मिल गयी है। आकाश दीप स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण काफी समय से टीम से बाहर थे पर हाल में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टीम में जगह मिली है। ईरानी कप में शेष भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद रणजी ट्रॉफी में भी उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी। पिछले साल नवंबर के बाद से कोई टेस्ट मैच न खेलने वाले बुमराह का पूरी तरह से फिटनेस हासिल करने के लिए वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज में आराम दिया गया था, लेकिन अब वह टेस्ट मैचों में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। की अगुवाई करेंगे, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है, हालांकि उनका खेलना उनकी पूरी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ईरानी कप में शेष भारत की कप्तानी करते समय उन्हें खिंचाव आ गया था जिसकी वजह से वे भारत 'ए' के शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज के अलावा देवदत्त पडविकर और साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है। स्पिन विभाग की कमान रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के पास रहेगी।

विलफ्रेड रोड्स: क्रिकेट के वो बेजोड़ रिकॉर्ड, जिन्हें तोड़ना आज भी है नामुमकिन

लंदन, एजेंसी। विश्व क्रिकेट के इतिहास में अगर किसी खिलाड़ी का करियर सबसे लंबा और बेजोड़ रहा है, तो वह गुजरे जमाने के इंग्लैंड के महान क्रिकेटर विलफ्रेड रोड्स हैं। तीन दशकों तक चले अपने करिश्माई करियर से रोड्स ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया जिसे फूला तो दूर, उसके करीब भी कोई खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। उनके रिकॉर्ड इतने विशाल और अविश्वसनीय हैं कि आधुनिक युग के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी उनसे काफी पीछे नजर आते हैं, जो अपने आप में रोड्स की असाधारण प्रतिभा और लंबी आयु का प्रमाण है। विलफ्रेड रोड्स का अंतरराष्ट्रीय करियर 1899 में शुरू हुआ और 1930 तक, यानी पूरे 30 साल और 315 दिनों तक चला। यह एक ऐसा आंकड़ा है जो क्रिकेट जगत में आज भी बेमिसाल है। उन्होंने 52 साल की उम्र में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला, जो उनकी शारीरिक फिटनेस और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह उम्र कई क्रिकेटर्स के सन्यास लेने के बाद कोच या कमेंटरेटर बनने की होती है, लेकिन रोड्स तब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय थे। उनके रिकॉर्ड केवल अंतरराष्ट्रीय करियर की लंबाई तक ही सीमित नहीं हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में विलफ्रेड रोड्स द्वारा खेले गए कुल 1,110 मैच एक ऐसा आंकड़ा है जिसे तोड़ना आज के दौर में किसी भी क्रिकेटर के लिए संभव नहीं है। आज जहां खिलाड़ियों का वर्कलोड मैनेज किया जाता है और कुछ सी फर्स्ट-क्लास मैच खेलना ही बड़ी उपलब्धि मानी जाती है,



टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्शदीप के नाम है ये अनचाहा रिकॉर्ड

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पिछले कुछ समय में सीमित ओवरों में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। हालांकि इसके बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये है टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा वाइड और नो बॉल फेंकने का। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, अर्शदीप सिंह ने अपने छोटें से करियर में अब तक कुल 150 अतिरिक्त गेंदें फेंकी हैं। इनमें हैरान करने वाले 132 वाइड और 18 नो बॉल शामिल हैं, जो दर्शाते हैं कि विकेट लेने की उनकी क्षमता के बावजूद, लाइन और लेंथ पर नियंत्रण में सुधार की काफी गुंजाइश है। टी20 जैसे दबाव वाले फॉर्मेट में ये अतिरिक्त गेंदें न केवल विपक्षी टीम को मुफ्त के रन देती हैं, बल्कि गेंदबाज पर अनावश्यक



दबाव भी बढ़ाती हैं और मैच का रुख पलटने की क्षमता रखती हैं। इतने अधिक एक्स्ट्रा रन देना किसी भी टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है, खासकर करीबी मैचों में। इस अनचाही सूची में अर्शदीप के बाद, बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान दूसरे स्थान पर हैं, जिनके नाम कुल 146 अतिरिक्त गेंदें (135 वाइड और 11 नो बॉल) दर्ज हैं। यह आंकड़े उनकी गेंदबाजी में भी समान

116 अतिरिक्त गेंदें (112 वाइड और 4 नो बॉल) फेंकी हैं, जो उनके अनुभव के बावजूद नियंत्रण में कमी को दर्शाती हैं। गैब्रियेले के रिचर्ड नगरावा भी पांड्या के बराबर 116 अतिरिक्त गेंदों के साथ खड़े हैं (96 वाइड और 20 नो बॉल)। इनके अलावा, न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी 113 अतिरिक्त गेंदों, वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड, 112 और जेसन होल्डर 111 वाइड और नो बॉल के साथ इस सूची में हैं। दक्षिण अफ्रीका के किंगमोसि रबाडा के नाम 105, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क के नाम 101 अतिरिक्त गेंदें दर्ज हैं, जो यह साबित करता है कि यह एक सार्वभौमिक समस्या है जिसका सामना कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज करते हैं। टी20 क्रिकेट में एक

गेंदबाज के लिए अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाइड और नो बॉल पर नियंत्रण प्रदर्शन का एक अहम हिस्सा है, क्योंकि ये सीधे तौर पर रन रेट और खेल के दबाव को प्रभावित करते हैं। हालांकि, किसी भी गेंदबाज के समग्र प्रदर्शन का आकलन केवल अतिरिक्त गेंदों के आधार पर नहीं किया जा सकता। उसके द्वारा लिए गए विकेटों की संख्या, प्रति ओवर खर्च किए गए रन (इकोनॉमी रेट), और मैच के महत्वपूर्ण पलों में उसका योगदान भी उतना ही मायने रखता है। अर्शदीप सिंह जैसे युवा और प्रतिभाशाली गेंदबाजों के लिए यह एक सीखने का अवसर है ताकि वे अपनी सटीकता में सुधार कर सकें, इन अनावश्यक रनों पर अंकुश लगा सकें और भविष्य में टीम के लिए और अधिक प्रभावी साबित हों।

चहल ने अपनी जिंदगी के खौफनाक वाकये का जिक्र किया



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम से बाहर चले रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल अपनी निजी जिंदगी में भी कई परेशानियों से गुजरे हैं। चहल ने एक ऐसी ही डरानवी घटना का खुलासा किया है क्रिकेट जगत भी सकंवे में आ गया। यह वाक्या साल 2013 के आईपीएल का है, तब चहल मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर द्वारा आयोजित एक पार्टी में शामिल थे। चहल के अनुसार तब एक पार्टी के दौरान नशे में धुत एक विदेशी खिलाड़ी ने उन्हें होटल की 15वीं मंजिल की बालकनी से उछाड़ लटका दिया था इस जानलेवा घटना

को याद करते हुए चहल ने बताया कि उस पल उन्हें लगा मानो उन्हें दूसरा जन्म मिल गया हो। आकाश चोपड़ा से चर्चा के दौरान चहल ने साथ किया वह खिलाड़ी न तो एंड्रयू साइमंड्स था और न ही जेम्स फ्रैंकलिन, बल्कि एक अन्य विदेशी खिलाड़ी था, जो बेहद मजबूत और गठोले शरीर का था। तब में उस खिलाड़ी ने चहल को उठया और अगले ही पल बालकनी से बाहर की तरफ उल्टा लटका दिया। चहल ने कहा, मैंने अपनी जान बचाने के लिए उसके गले को पकड़ा हुआ था। इस दौरान कमरे में मौजूद अन्य मेहमानों और खिलाड़ियों की सांसें थम गई थी। जब उन्होंने स्थिति को हाथ से निकलते देखा, तो वे तुरंत दौड़कर आए और किसी तरह चहल को ऊपर खींचकर सुरक्षित किया। 15वीं या 16वीं मंजिल की ऊंचाई से नीचे का खौफनाक मंजर किसी के भी रोंगटे खड़े करने के लिए काफी था। हैरानी की बात यह थी कि इतनी खतरनाक हरकत करने के बाद भी वह खिलाड़ी हंस रहा था, जबकि चहल बुरी तरह सहम चुके थे। चहल ने उस समय इस मामले की कोई औपचारिक शिकायत न करने का फैसला किया था। उनके मुताबिक, वे उस वक़्त युवा और अनुभवहीन थे, और अपना पूरा ध्यान खेल पर देना चाहते थे।। यह घटना उस समय सुरुआ प्रोटोकॉल और खिलाड़ी व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से संतोषी चंद्रवंशी के स्वरोजगार को मिला आधार

50 हजार रुपये के ऋण से सिलाई और कपड़ा व्यवसाय को आगे बढ़ाने का मिला अवसर



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छोटे व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए समय पर आर्थिक सहायता मिलना किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। पूंजी की उपलब्धता से न केवल कारोबार को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलती है, बल्कि आजीविका को भी मजबूती मिलती है। कबीरधाम जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 03 निवासी श्रीमती संतोषी चंद्रवंशी के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आर्थिक संबल का माध्यम बनी है। योजना के तहत मिले 50 हजार रुपये के ऋण से उन्हें अपने सिलाई और कपड़ा व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। श्रीमती संतोषी सिलाई, पोकू-फॉल और कपड़ा विक्रय का कार्य करती हैं। इसी व्यवसाय से वे अपने परिवार की आजीविका चलाती हैं। व्यवसाय के संचालन के लिए पूंजी की आवश्यकता होने पर उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत इंडियन ओवरसीज बैंक, कवर्धा शाखा से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्हें अपने काम के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग मिला और व्यवसाय को निरंतर जारी रखने में मदद मिली। संतोषी चंद्रवंशी प्रतिमाह 1,600 रुपये की किश्त जमा कर रही हैं। वे अपने व्यवसाय से होने वाली आय के माध्यम से परिवार की आजीविका चलाने के साथ ऋण की किश्तों का भुगतान भी कर रही हैं। उनका यह प्रयास स्वरोजगार के प्रति प्रतिबद्धता और आर्थिक जिम्मेदारी का उदाहरण है। कबीरधाम जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने और पात्र हिताग्रहियों को लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जरूरत के समय मिलने वाली वित्तीय सहायता छोटे कारोबार को मजबूती देने और आजीविका के साधनों को सशक्त बनाए रखने में सहायक हो सकती है। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने एसटीपी प्लांट और पीएमई-बस डिपो का किया अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव तथा दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज दुर्ग के उरला में निर्माणाधीन एसटीपी प्लांट और प्रधानमंत्री ई-बस योजना के डिपो का अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं एसटीपी प्लांट के कार्यों की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने इसके कार्यों में तेजी लाते हुए काम जल्दी पूरा करने को कहा। श्री बोरा ने अगले महीने नवम्बर में दुर्ग-भिलाई में प्रारंभ होने जा रहे ई-बस सेवा अंतर्गत बस डिपो का अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने डिपो में चार्जिंग पाइंट लगाने के कार्य शीघ्र पूर्ण करने और स्थल में आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिये। दुर्ग नगर निगम की आयुक्त सुश्री लीना कोसम, एसडीएम श्री प्रफुल्ल गुप्ता, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर संचालक श्री पुलक भट्टाचार्य और अधीक्षण अभियंता श्री सुनील सिंह भी इस दौरान मौजूद थे। बिहान गढ़ कलेवा से बंदली ज्योति महिला स्व-सहायता समूह की 12 महिलाओं की जिंठनी, स्वरोजगार से बन रही आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद अब ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन रहा है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मोहला विकासखंड में बिहान योजना से जुड़ी ज्योति महिला स्व-सहायता समूह की 12 महिलाएं बिहान गढ़ कलेवा का संचालन कर स्वरोजगार की नई मिसाल पेश कर रही हैं। इन महिलाओं की प्रेरणादायक कहानी बताती है की सही अवसर और प्रोत्साहन मिलने से ग्रामीण महिलाएं अपने हुनर को आजीविका का मजबूत आधार बना सकती हैं।

तांदुला जल संसाधन संभाग दुर्ग ने हर खेत तक पानी पहुँचाकर रचा जल क्रांति का इतिहास

सिंचाई क्षेत्र के विस्तार से किसानों को मिली कृषि में आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जल ही जीवन, जल ही विकास और हर खेत तक पानी-हर किसान के चेहरे पर मुस्कान के मूलमंत्र पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ राज्य के गठन (वर्ष 2000) के बाद तान्दुला जल संसाधन संभाग दुर्ग ने बीते 25 वर्षों में सिंचाई विकास, जल संरक्षण, तकनीकी नवाचार और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार की कृषक-केंद्रित नीतियों के परिणामस्वरूप, विभाग ने छत्तीसगढ़ को जल आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। विभाग की प्राथमिकताएँ जल संसाधनों के माध्यम से जल से जनकल्याण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से सिंचाई में समृद्धि, और आधुनिक कार्यप्रणाली द्वारा तकनीक से पारदर्शिता सुनिश्चित करना ही इसका मुख्य ध्येय है। तान्दुला जल संसाधन संभाग अंतर्गत राज्य निर्माण के समय जहाँ केवल 97 सिंचाई परियोजनाएँ संचालित थीं, वहीं वर्तमान में 118 परियोजनाएँ सक्रिय रूप से क्रियान्वित हैं। नहरों



की लंबाई 1148 कि.मी. से बढ़कर 1349 कि.मी. हो गई है, जिससे जल आपूर्ति प्रणाली अधिक विस्तारित हुई है। अविभाजित दुर्ग जिले में सिंचाई का रकबा 87 हजार 930 हेक्टेयर से बढ़कर वर्तमान में 1 लाख 13 हजार 538



हेक्टेयर हो गया है। तकनीकी नवाचार ने वितरण प्रणाली में जल अपव्यय को न्यूनतम किया है। नहर लाइनिंग, सुदृढ़ संरचनाएँ और गेट स्वचालन का उपयोग किया गया है। दुर्ग-बालोद अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों को स्थायी

जलापूर्ति के लिए खरखरा-शिवनाथ नदी पाइपलाइन योजना (1520 करोड़ रुपये) और तान्दुला ऑगुमेंटेशन सहगांव उद्घन सिंचाई योजना (238 करोड़ रुपये) जैसी विशाल परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिसने 18 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान की है। उद्घन सिंचाई योजनाओं द्वारा ऊँचाई वाले क्षेत्रों में भी जलापूर्ति संभव हुई है, जिससे अंतिम हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान की है। तान्दुला जल संसाधन संभाग के प्रयासों से 42 हजार से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष सिंचाई सुविधा मिली है, जिसने कृषि से आत्मनिर्भरता तक की उनकी यात्रा को मजबूत किया है। सिंचाई सुविधा के कारण फसल उत्पादकता में 30-40 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। प्रति बूँद अधिक फसल के उद्देश्य से स्प्रेकलर एवं ड्रिप प्रणाली को प्रोत्साहन दिया गया है। कृषक जल उपयोगिता समितियों के माध्यम से जल वितरण में

सहभागिता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। इन सुविधाओं से कृषि आधारित लघु उद्योग, प्रसंस्करण एवं मत्स्य पालन को प्रोत्साहन मिला है, जिससे कृषक आय में वृद्धि हुई है और ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता स्थापित हुई है, साथ ही हरित क्रांति को नई दिशा मिली है। जल संरक्षण के मोर्चे पर, विभाग ने वर्षा जल संचयन हेतु तालाब, बांध, छोर तक सुगम सिंचाई - अंतिम खेत तक पानी की गारंटी सुनिश्चित हुई है। इस वर्ष भू-जल पुनर्भरण हेतु 265 रिचार्ज पिट एवं 300 सोक पिट का निर्माण कर वर्षाजल का पुनर्भरण सुनिश्चित किया गया है। तान्दुला जल संसाधन संभाग के प्रयासों से 42 हजार से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष सिंचाई सुविधा मिली है, जिसने कृषि से आत्मनिर्भरता तक की उनकी यात्रा को मजबूत किया है। सिंचाई सुविधा के कारण फसल उत्पादकता में 30-40 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। प्रति बूँद अधिक फसल के उद्देश्य से स्प्रेकलर एवं ड्रिप प्रणाली को प्रोत्साहन दिया गया है। कृषक जल उपयोगिता समितियों के माध्यम से जल वितरण में

सेवा सेतु शिविर से आसान हुई नागरिकों की राह, मौके पर मिले जरूरी राजस्व दस्तावेज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आम नागरिकों तक शासकीय सेवाओं की पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु शिविर लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रहे हैं। दुर्ग जिले में विकासखंड एवं विधानसभावार आयोजित इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए अलग-अलग शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। इसी कड़ी में श्री शांतिलाल यादव के लिए सेवा सेतु शिविर बड़ी सुविधा लेकर आया। उन्हें भवन निर्माण की अनुमति संबंधी प्रक्रिया के लिए भूमि के बी-1 (खेती) और पी-2 (खसरा) दस्तावेजों की आवश्यकता थी। उन्होंने शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर राजस्व विभाग के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। इससे उनका समय बचा और राजस्व कार्यालयों में बार-बार जाने की परेशानी भी दूर हुई। इसी प्रकार श्री कमल नारायण और श्री संतराम पटेल ने भी अपने



आवश्यक कार्यों के लिए भू-अभिलेख संबंधी दस्तावेज प्राप्त करने हेतु शिविर में आवेदन किया। संबंधित अधिकारियों ने उनके आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की। श्री कमल नारायण ने बताया कि बी-1 और पी-2 जैसे राजस्व दस्तावेज भूमि संबंधी विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं। सेवा सेतु शिविर में इनकी सुविधा मिलने से नागरिकों को काफी सहूलियत हो रही है। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर जरूरी सेवाएँ उपलब्ध होने से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। इसके लिए उन्होंने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बुंदेली और पैलीमेटा में ‘नमो सेवा : अनकही कहानियां’ कार्यक्रम आयोजित

नाट्य प्रस्तुति के जरिए किया गया जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने तथा पात्र हिताग्रहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ‘नमो सेवा: अनकही कहानियां’ कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुंदेली के बाजार चौक एवं ग्राम पंचायत पैलीमेटा के बाजारपाराम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से शासन की विभिन्न



जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं आम नागरिकों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों को रोचक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने नाटक एवं संवाद के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान

निधि, स्वच्छ भारत मिशन, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के महत्व और लाभों के बारे में ग्रामीणों को जगरूक किया। नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए बताया गया कि शासन की योजनाएँ किस प्रकार जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायक बन रही हैं। साथ ही ग्रामीणों को पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ग्राम पंचायत बुंदेली के बाजार चौक में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना से शांति के जीवन में आई खुशहाली, बचत को बनाया आत्मनिर्भरता का आधार

छोटी-छोटी बचत से बड़े सपनों को साकार करने की प्रेरक मिसाल बनीं ग्राम धनपुर की शांति यादव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी करने के साथ ही बचत और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इस योजना का लाभ उठाकर जीपीएम जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनपुर की निवासी श्रीमती शांति यादव ने छोटी-छोटी बचत को अपनी आत्मनिर्भरता का आधार बनाया है। उन्होंने योजना से प्राप्त राशि को सहेजकर न केवल अपने बच्चों की पढ़ाई में सहयोग किया, बल्कि एक छोटी-सी दुकान शुरू कर परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। श्रीमती शांति यादव की कहानी इस बात का उदाहरण है कि नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता का योजनाबद्ध उपयोग महिलाओं के जीवन में सकारात्मक



परिवर्तन ला सकता है। सीमित संसाधनों के बीच परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना और बच्चों की बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करना उनके लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रही है। ऐसे में महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए आर्थिक संबल बनकर सामने आई। शांति यादव बताती हैं कि योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि को उन्होंने एक साथ खर्च करने के बजाय धीरे-धीरे बचाना शुरू किया।

उनकी सोच थी कि इस राशि का उपयोग ऐसे कार्यों में किया जाए, जिससे परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य के लिए भी आर्थिक सहारा तैयार हो सके। इसी उद्देश्य से उन्होंने बचत की गई राशि का एक हिस्सा बच्चों की पढ़ाई और आवश्यक घरेलू खर्चों में लगाया तथा शेष राशि से एक छोटी-सी दुकान शुरू की। दुकान शुरू होने से शांति यादव को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर

मिला है। अब वे घरेलू जिम्मेदारियों के साथ अपनी दुकान भी संभाल रही हैं। इस पहल से परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिल रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने अपनी सूझबूझ और बचत की आदत से आर्थिक सहायता को आजीविका के साधन में बदलने का प्रयास किया है। शांति यादव को महतारी वंदन योजना की 32वीं किश्त की राशि भी प्राप्त हो गई है। नियमित रूप से मिलने वाली इस सहायता ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उनका कहना है कि योजना से मिलने वाली राशि भले ही छोटी दिखाई दे, लेकिन उसका सही उपयोग और नियमित बचत परिवार के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसी सोच के साथ उन्होंने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्वरोजगार का रास्ता अपनाया। शांति यादव के लिए महतारी वंदन योजना केवल प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का माध्यम बनी है। योजना से मिली राशि ने उन्हें अपनी जरूरतों के

लिए आर्थिक निर्णय लेने और परिवार की खुशहाली में योगदान देने का अवसर प्रदान किया है। श्रीमती शांति यादव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। इस योजना से मिलने वाली नियमित सहायता ने उन्हें बचत करने, बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने और छोटी दुकान शुरू करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही अपने पैरों पर खड़े होने का हौसला भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना से लाभान्वित शांति यादव को कहानी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, समझदारी और छोटी-छोटी बचत से आत्मनिर्भरता की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाए जा सकते हैं। ग्राम धनपुर की शांति यादव आज इस बात की मिसाल हैं कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सही उपयोग परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ महिलाओं के सपनों को नई उड़ान दे सकता है।